तापमान
अधिकतम 39 .4 डिग्री
न्यूनतम 18 .2 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार 10 मई 2026

12 ईवीएम के साथ पोलिंग पार्टियां रवाना, 191 बूथों पर ..

12 महाराणा प्रताप की प्रतिमा पत्थर नहीं, जीवंत प्रेरणा ..

खबर संक्षेप

प्लाइवुड फैक्ट्री से 30 एल्युमिनियम प्लेट चोरी

यमुनानगर। चोरों ने गांव अमादलपुर स्थित राधे-राधे प्लाइवुड फैक्ट्री से 30 एल्युमिनियम की प्लेट चोरी कर ली। चोरी हुई एल्युमिनियम प्लेट की कीमत करीब दो लाख रुपए है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। शहर की चुना भट्टी निवासी महेश ने बुडिया पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उसकी गांव अमादलपुर में राधे-राधे नाम से प्लाइवुड फैक्ट्री है। आठ मई को देर शाम में फैक्ट्री से काम खत्म करवा कर घर आ गया था। सुबह जब फैक्ट्री में पहुंचा तो वहां से एल्युमिनियम प्लेट गायब मिली। जांच करने पर फैक्ट्री से 30 एल्युमिनियम प्लेट चोरी की गई थी। जिसकी कीमत करीब दो लाख रुपये है। उसने चोरी की सूचना पुलिस को दी।

विधवा के मकान पर कब्जा किया

पानीपत। पानीपत के गांव परढाना में विधवा महिला सुनीता के घर पर उसकी सास रोशनी देवी व जेठानी नीलम ने अपने परिजनों के साथ मिल कर घर के आंगन की दीवार गिरा कर अवैध तरीके से कब्जा कर लिया। वहीं, सुनीता ने न्याय की गुहार के साथ इसराना थाना पुलिस ने आरोपियों की शिकायत दी है। सुनीता का दावा है कि घर के मालिका हक के दस्तावेज उसके पास है, इसके बावजूद भी परिजनों ने उसे बेघर कर दिया।

पानीपतः कार की टक्कर से युवक मरा

पानीपत। जीटी रोड स्थित ड्रेन नंबर एक के पास शनिवार को तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से सडक पार कर रहा युवक काल का ग्रास बन गया। वहीं मृतक की शिनाख्त नहीं हुई है। पुलिस ने जांच के बाद शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए पानीपत के सिविल अस्पताल भिजवा दिया। पुलिस मृतक की शिनाख्त के प्रयास कर रही है। वहीं, पुलिस ने अज्ञात कार चालक पर गैर इरादन हत्या के आरोप में केस दर्ज किया है।

युवक का रास्ता रोकर चोट मारने वाला पकड़ा

पानीपत। थाना बापौली पुलिस ने खोजकीपुर गांव में खेत से काम कर घर लौट रहे युवक का रास्ता रोककर हमला कर चोट मारने के तीसरे आरोपी रजत उर्फ बबलू को गिरफ्तार किया है। थानेदार पवन ने बताया कि थाना बापौली में खोजकीपुर गांव निवासी रविंद्र पुत्र इलम सिंह की शिकायत पर केस दर्ज है।

तीस लाख की ठगी करने का आरोपी काबू

पानीपत। थाना इसराना पुलिस ने सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा देकर 30 लाख रुपये की ठगी करने के आरोपी सुरेंद्र निवासी गांव अटायल जिला रोहतक को गिरफ्तार किया है। थानेदार इसराना हरिराम ने बताया कि ठगी के इस मामले में नवीन निवासी गांव परढाना जिला पानीपत की शिकायत पर आरोपियों पर आईपीसी की धारा 406, 420 के तहत केस दर्ज है। वहीं, फरार आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

जाली नंबर प्लेट लगाकर घूम रहे दो आरोपी काबू

अंबाला। नग्गल पुलिस ने चोरी की बाइ पर जाली नंबर प्लेट लगाकर बेचने की फिराक में घूम रहे एक आरोपी को नडियाली कट के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर नाकाबंदी कर कार्रवाई की गई। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि बाइक चोरी की है और वह इसे पंजाब के गोबिंदगढ़ निवासी मंदीप सिंह से लेकर आया था। पुलिस ने दूसरे आरोपी मंदीप सिंह निवासी गांव संगतपुर, पंजाब को भी गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि बाइक पटियाला से चोरी की गई थी।

पीएनबी के साथ सरकार ने खत्म किया 2016 का लोनिंग अरेंजमेंट

सरकारी कर्मियों को बड़ी राहत, 10 साल बाद पुरानी लोन व्यवस्था बहाल

- 11 जून 2026 से विभागों के जरिए सीधे मिलेगा हाउस बिल्डिंग और व्हीकल लोन
- बैंक की कागजी कार्रवाई और ब्याज दरों की परेशानी से कर्मियों को मिलेगी राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

प्रदेश सरकार ने प्रदेश के लाखों सरकारी कर्मचारियों को बड़ी सौगात दी है। अब कर्मचारियों को हाउस बिल्डिंग एडवांस, व्हीकल लोन या अन्य कंप्यूटर एडवांस के लिए बैंकों की खाक नहीं छाननी होगी। सरकार ने पंजाब नेशनल बैंक के साथ करीब 10 साल पहले किए गए लोनिंग अरेंजमेंट को खत्म करने का फैसला लिया है। आगामी 1 जून 2026 से कर्मचारियों को सीधा विभाग के माध्यम से सरकारी बजट से लोन मिलेगा। वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव की ओर से इस संबंध में लिखित आदेश जारी कर दिए गए है। आदेशों के अनुसार सरकार ने 4 नवंबर 2016 के उस नोटिफिकेशन को वापस ले लिया है जिसके तहत लोन की व्यवस्था निजी व सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के हवाले की गई थी। अब इसे दोबारा स्टेट बजट के मेजर हेड 7610 के तहत शिफ्ट कर दिया गया है।

विभाग ही बनेगा बैंक

1 जून से लोन या एडवांस के लिए फंड सीधा विभागाध्यक्षों को जारी किया जाएगा। कर्मचारी अपने विभाग में ही आवेदन करेंगे और वहीं से पैसा रिलीज होगा। निर्धारित समय के बाद पीएनबी के साथ सरकार का कोई नया करार नहीं रहेगा। यानी नए लोन के लिए बैंक के पास जाने की जरूरत नहीं होगी। जिन कर्मचारियों ने 31 मई 2026 तक बैंक से लोन ले लिया है उनकी किस्तें और रिकवरी पुरानी व्यवस्था के तहत ही जारी रहेगी।

इसलिए लिया गया फैसला

2016 में जब सरकार ने बैंकों के जरिए लोन दिलाने की शुरुआत की थी तब तर्क दिया गया था कि इससे सरकारी खजाने पर बोझ कम होगा। लेकिन समय के साथ कर्मचारियों को बैंकों की जटिल कागजी कार्रवाई और ब्याज दरों के फेरबदल से परेशानी होने लगी। कर्मचारी संगठन लगातार मांग कर रहे थे कि सरकार अपने स्तर पर ही लोन दे।

अंतरराज्यीय टायर और रिम चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। पुलिस की सीआईए-2 ने अंतर्राज्यीय स्तर पर ट्रकों के टायर और रिम चोरी करने वाले एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए न केवल चोरी का मामला सुलझाया, बल्कि आरोपी के कब्जे से भारी मात्रा में सामान भी बरामद किया है। पुलिस ने आरोपियों से 14 चोरीशुदा टायर 17 रिम वारदात में इस्तेमाल किया गया ट्रक और जैक टायर खोलने की पूरी टूल किट , यह मामला 8 दिसंबर 2025 को सामने आया था जब साहा के श्याम गंभीर ने थाना साहा में शिकायत दर्ज कराई थी कि अज्ञात चोरों ने उनके ट्रक से चार टायर और रिम चोरी कर लिए हैं। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए सीआईए-2 की टीम ने जांच शुरू की और तकनीकी साक्ष्यों व खुफिया जानकारी के आधार पर आरोपी को धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपी की पहचान छमिंदर कुमार निवासी जगद्दोली, थाना छप्पर, जिला यमुनानगर आरोपी ने न केवल अंबाला, बल्कि यमुनानगर, पंजाब और विभिन्न जिलों में लगभग 40 टायर-रिम चोरी की वारदातों को अंजाम देने की बात कबूली है।

भौतिक सत्यापन के दौरान केंद्र पर एक भी बैग नहीं मिला

किसान सेवा केंद्र से 7993 बैग यूरिया गायब, संचालक पर केस

- कृषि विभाग की जांच में पीओएस मशीन में दर्ज मिला 359 .688 मीट्रिक टन स्टॉक
- बार-बार नोटिस और सुनवाई के बावजूद संचालक ने नहीं दिया कोई जवाब
- कृषि विभाग ने यूरिया के औद्योगिक उपयोग में अवैध बिक्री का जताया शक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

गांव करेहड़ा खुर्द स्थित मैसर्स किसान सेवा केंद्र में कृषि योग्य यूरिया खाद की बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। कृषि विभाग की जांच में प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीन में दर्ज सात हजार 993 बैग यूरिया खाद मौके से गायब मिला। मामले को गंभीरता से लेते हुए सदर यमुनानगर थाना पुलिस ने फर्म संचालक साहिल खान के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विभाग को आशंका है कि कृषि उपयोग के लिए निर्धारित यूरिया खाद को अवैध रूप से औद्योगिक कार्यों में बेचा गया है। जानकारी के अनुसार कृषि विभाग के गुण नियंत्रण निरीक्षक बाल मुकंद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गांव करेहड़ा खुर्द स्थित मैसर्स किसान सेवा केंद्र का औचक निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान पीओएस मशीन में 359.688 मीट्रिक टन कृषि योग्य यूरिया खाद का स्टॉक दर्ज पाया गया। विभागीय रिकॉर्ड के अनुसार यह मात्रा करीब 7 हजार 993 बैग यूरिया खाद के बराबर थी।जब विभागीय अधिकारियों ने मौके पर भौतिक सत्यापन किया तो स्थिति चौंकाने वाली मिली। केंद्र पर एक भी यूरिया खाद का बैग मौजूद नहीं था। रिकॉर्ड और वास्तविक स्टॉक में भारी अंतर मिलने के बाद विभाग ने फर्म संचालक साहिल खान को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा। हालांकि निर्धारित समय बीतने के बावजूद संचालक की ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया।इसके बाद कृषि विभाग ने कार्रवाई करते हुए फर्म का लाइसेंस निलंबित कर दिया और संचालक को सात दिन के भीतर उप कृषि निदेशक कार्यालय में उपस्थित होकर स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए। लेकिन उसने इन आदेशों की भी अनदेखी की। विभाग ने मामले को गंभीर मानते हुए अंतिम सुनवाई का अवसर भी प्रदान किया, लेकिन तब भी संचालक ने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया।विभागीय कार्रवाई के तहत 28 जनवरी को मैसर्स किसान सेवा केंद्र का लाइसेंस रद्द कर दिया गया। साथ ही संचालक को 30 दिन के भीतर यह जानकारी देने को कहा गया कि पीओएस मशीन में दर्ज यूरिया खाद किन किसानों को बेचा गया और संबंधित किसानों की सूची विभागीय कार्यालय में जमा कराई जाए। बार-बार अवसर देने के बावजूद विक्रेता की ओर से कोई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई।कृषि विभाग का आरोप है कि कृषि योग्य यूरिया खाद को नियमों के विपरीत अवैध रूप से औद्योगिक उपयोग के लिए बेचा गया। इसके बाद विभाग ने पुलिस को शिकायत देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की। शिकायत के आधार पर सदर यमुनानगर थाना पुलिस ने आरोपी संचालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

करनाल में स्कूल वैन ड्राइवर ने विश्वास का किया कत्ल

वैज्ञानिक की बुजुर्ग मां का गला दबाकर चेन लूटने का प्रयास

- कपड़े लेने और वॉशरूम जाने का बहाना बनाकर घर में घुसा
- गला दबाकर चेन लूटने का किया प्रयास, सीसीटीवी में कैद वारदात
- महिला की चीख सुन पड़ोसियों ने आरोपी को धर दबोचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

गला दबाकर चेन लूटने की कोशिश करता ड्राइवर।

शहर के पॉश इलाके में स्थित केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान के स्टाफ क्वार्टर में शुक्रवार को मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई। यहां एक स्कूल वैन ड्राइवर ने विश्वास का फायदा उठाकर संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. अमरेश चौधरी के घर में घुसकर उनकी बुजुर्ग मां सुमन देवी पर जानलेवा हमला कर दिया। आरोपी ने न केवल महिला का गला दबाकर उन्हें मारने की कोशिश की, बल्कि उनसे सोने की चेन लूटने का भी प्रयास किया। जानकारी के अनुसार, आरोपी ड्राइवर कृष्णकांत डॉ. अमरेश के ढाई साल के बेटे को स्कूल लाने-ले जाने का काम करता था। शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे वह क्वार्टर पर पहुँचा और बुजुर्ग महिला को झांसा दिया कि बच्चे ने स्कूल में उल्टी कर दी है, इसलिए उसके कपड़े चाहिए। कपड़ों के बहाने वह घर के अंदर दाखिल हुआ और फिर वॉशरूम जाने का बहाना बनाया।

ढाई मिनट तक मौत का तांडव

सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, वॉशरूम से बाहर निकलते ही आरोपी ने पीछे से बुजुर्ग महिला के चेहरे पर रुमाल डालकर उन्हें बेहोश करने का प्रयास किया। जब महिला ने विरोध किया, तो आरोपी उन्हें बेड पर पटककर बेरहमी से पीटने लगा। आरोपी करीब ढाई मिनट तक महिला को प्रताड़ित करता रहा और फर्श पर गिराकर उनका गला दबाने लगा ताकि सोने की चेन छीन सके।

पड़ोसियों ने बहादुरी से दबोचा

महिला की चीख-पुकार सुनकर आसपास के पड़ोसी तुरंत मौके पर एकत्र हो गए। खुद को घिरा देख आरोपी ने भागने की कोशिश की, लेकिन मुस्तैद पड़ोसियों ने उसे घर की दहलीज पर ही दबोच लिया। सूचना मिलते ही रामनगर थाना पुलिस मौके पर पहुँची और आरोपी को हिरासत में ले लिया।

देवीलाल की प्रतिमा पर कीचड़ फेंके जाने के मामले ने पकड़ा तूल

जजपा और इनेलो कार्यकर्ताओं ने प्रशासन को सौंपे अलग-अलग ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। ज्ञापन की प्रति दिखाते जजपा कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

ताऊ देवीलाल पार्क पिपली में पूर्व उप प्रधानमंत्री देवीलाल की प्रतिमा पर कीचड़ फेंके जाने का मामला राजनीतिक तूल पकड़ गया। घटना के विरोध में जननायक जनता पार्टी और इनेलो के पदाधिकारी एक-दूसरे आरोप-प्रत्यारोप लगाने लगे। जजपा के कार्यकर्ताओं ने डीसी कुरुक्षेत्र के नाम तहसीलदार और डीएसपी सुनील कुमार को एसपी के नाम ज्ञापन सौंपा। उधर, इनेलो की ओर से डीसी विश्राम कुमार मीणा को ज्ञापन सौंपा। साथ ही उन्होंने जजपा पर मामले में राजनीति करने का आरोप लगाया। शनिवार सुबह जजपा के कार्यकर्ता ताऊ देवी लाल पार्क में इकट्ठा हुए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को घटनास्थल पर बुलाकर स्थिति दिखाई। इसके बाद जजपा के कार्यकर्ता लघु सचिवालय पहुंचे और यहां डीसी के नाम प्रतिमा को पेंट करवाने की मांग रखी।

जजपा नेता योगेश शर्मा ने बताया कि उन्होंने प्रशासन प्रतिमा को सीसीटीवी की निगरानी और गार्ड रखने की मांग रखी। साथ ही एसपी चंद्रमोहन से शरारती तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

नडाना रोड पर बाइक दुर्घटनाग्रस्त, झाड़ियों में मिला शव

तेज रफ्तार बनी जानलेवा, राइस मिल कुक की सड़क हादसे में मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तरावड़ी

तरावड़ी के नडाना रोड़ पर शनिवार सुबह एक दर्दनाक सडक़ हादसे में राइस मिल में कार्यरत एक युवक की मौत हो गई। हादसा सुबह करीब 5 बजे तरावड़ी के नडाना रोड पर हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान 22 वर्षीय लेखनाथ पुत्र खेम बहादुर निवासी किसान बस्ती नीलोखेड़ी का निवासी था और तरावड़ी की एक राइस मिल में कुक का काम करता था। बताया जा रहा है कि लेखनाथ सुबह किसी परिचित को छोडऩे के लिए गया था। वापसी के दौरान नडाना रोड पर उसकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। सूचना मिलते ही तरावड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस अधिकारी जसविन्द्र ने बताया कि राहगीरों ने सडक़ किनारे झाडिय़ों में युवक का शव पड़ा देखा, जबकि पास ही उसकी मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हालत में मिली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए करनाल के कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज के मोर्चरी हाउस भिजवा दिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बाइक तेज रफ्तार में थी और मोड़ पर नियंत्रण बिगड़ने के कारण हादसा हुआ। वहीं, यह भी आशंका जताई जा रही है कि किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से भी दुर्घटना हुई हो सकती है।

बाइक की टक्कर लगने से साइकिल सवार व्यक्ति की मौत

यमुनानगर। गांव धोड़ंग के नजदीक तेज रफ्तार बाइक ने साइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से साइकिल सवार अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई। शव की शिनाख्त न होने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सिविल अस्पताल स्थित शव ग्रह में रखवा दिया। पुलिस ने अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार गांव पांजूपुर निवासी प्रवेश कुमार ने सदर यमुनानगर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह पांच मई को रात आठ बजे किसी काम से जा रहा था। इस दौरान गांव धोड़ंग के पास तेज रफ्तार बाइक ने साइकिल सवार को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से साइकिल सवार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां पर इलाज के दौरान घायल की मौत हो गई।

फर्जी सरकारी दस्तावेज बनाने का खुलासा, पार्षद की शिकायत पर केस

- सीएससी संचालकों पर जाली दस्तावेज तैयार कर पोर्टल पर फॉरवर्ड करने का आरोप
- पार्षद पति ने गिरोह के सरगना पर संगठित फर्जीवाड़े का लगाया आरोप
- पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की, गिरोह की भूमिका की पड़ताल जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

नगर निगम के वार्ड छह की पार्षद कोमल पांचाल के नाम और पद की फर्जी मोहर व हस्ताक्षर का उपयोग कर सरकारी दस्तावेज तैयार करने वाले गिरोह का भखुलासा हुआ है। पार्षद कोमल ने पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह को दी शिकायत में बताया कि आरोपी लोग पिछले काफी समय से सक्रिय है और फर्जी दस्तावेजों के जरिए जनता और प्रशासन को गुमराह कर रहे है। दूसरी ओर, पार्षद पति तरूण का दावा है कि फर्जी तरीके से सरकारी कागजात तैयार करने वाले गिरोह का सरगना मोनू चौहान है। उन्होंने आरोप लगाया कि सतपाल नामक व्यक्ति आवेदकों को लेकर कमलजीत कौर सीएससी संचालक नूरवाला, सौरव सीएससी संचालक तहसील कैंप और शर्मा सीएससी संचालक नजदीक नगर निगम के पास जाता है। ये सभी आरोपी कथित तौर पर मिलीभगत कर पार्षद की फर्जी मोहर और जाली हस्ताक्षर फाइलों पर कर देते हैं और फिर उन्हें ऑनलाइन पोर्टल पर आगे फॉरवर्ड कर देते हैं। वहीं, कोमल सैनी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मणप्पुरम फाइनेंस का पूर्व मैनेजर कर्नाटक से गिरफ्तार

पानीपत। सीआईए श्री पुलिस टीम ने जीटी रोड स्थित मणप्पुरम फाइनेंस लिमिटेड गोल्ड लोन ब्रांच में ग्राहकों के गहने बदलकर धोखाधड़ी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए ब्रांच के पूर्व मैनेजर राजेसाब महबूब यलगार निवासी कर्नाटक को गिरफ्तार किया है। वहीं, आरोपी यलगार ने कबूल किया है कि उसने बैंककर्मी के साथ मिलकर लॉकर में रखे असली सोने के कड़े को निकालकर उसकी जगह पीतल का कड़ा रख दिया था। स्मरणीय है कि इस मामले में गांव शिमला मौलाना निवासी सुनील की शिकायत परकेस दर्ज है। वहीं, पुलिस ने आरोपी से पूरे मामले की जानकारी लेने को उसे कोर्ट में पेश कर तीन दिन के रिमांड पर लिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी के फरार साथियों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

एचएसएससी सीईटी ग्रुप सी भर्ती के लिए बॉयोमेट्रिक वेरिफिकेशन 11 से

पहले चरण में 6 दिन का शेड्यूल जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने सीईटी-2025 ग्रुप सी के उन अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण नोटिस जारी किया है जिनकी लिखित परीक्षा के दौरान किन्हीं कारणों से बॉयोमेट्रिक कैप्चरिंग पूरी नहीं हो पाई थी। आयोग अब इन अभ्यर्थियों का बॉयोमेट्रिक वेरिफिकेशन 11 मई से शुरू करने जा रहा है। विशेष रूप से यह उन साथियों के लिए बड़ी खबर है जिनका नाम पिछली लिस्टों में बायोमेट्रिक संबंधी दिक्कतों के कारण शामिल नहीं हो पाया था। बॉयोमेट्रिक का विस्तृत शेड्यूल उम्मीदवार के रजिस्ट्रेशन लॉगिन यूजरनेम पर उपलब्ध होगा। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे अपना पोर्टल चेक करते रहे। संबंधित उम्मीदवारों को उनके रजिस्टर्ड ईमेल आईडी पर भी सूचित किया जा रहा है। दो चरणों में पूरी प्रक्रिया होगी। पहले चरण में आयोग केवल 6 दिनों का शेड्यूल जारी करेगा। जिन अभ्यर्थियों का नाम इस 6 दिन की लिस्ट में नहीं है उन्हें अगले चरण के शेड्यूल का इंतजार करना होगा। बॉयोमेट्रिक के लिए जरूरी एडमिट कार्ड आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते है। आयोग के सचिव ने स्पष्ट किया है कि बॉयोमेट्रिक कैप्चरिंग पूरी तरह से निर्धारित शेड्यूल के अनुसार ही होगी। अभ्यर्थियों को किसी भी अन्य जानकारी या अपडेट के लिए लगातार आयोग की आधिकारिक वेबसाइट चेक करते रहने की सलाह दी गई है।

11-12 मई को विशेषज्ञ आयुष चिकित्सा तकनीक और शोध पर करेंगे मंथन

- श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी एवं इंटीग्रेटिव मेडिसिन कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान के मार्गदर्शन में 11 व 12 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस एवं इंटीग्रेटिव मेडिसिन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में विशेषज्ञ आयुष चिकित्सा, आधुनिक तकनीक, अनुसंधान एवं व्यक्तिगत जीवनशैली आधारित उपचार पद्धतियों पर अपने विचार साझा करेंगे। कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत गुप्ता ने कहा कि वर्तमान समय में स्वास्थ्य क्षेत्र में तकनीक और अनुसंधान की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों और शोधार्थियों को नई सोच, नवाचार और आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों से जोड़ने का कार्य करते हैं। बता दें कि पहले दिन 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर रिसर्च एंड इनोवेशन विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (अककअ) से डॉ. रामअवतार शर्मा, आईआईटी दिल्ली से डॉ. समीर सिंह तथा एचएससीएस आईटी के विशेषज्ञ डॉ. राहुल तनेजा बतौर रिसोर्स पर्सन भाग लेंगे। कार्यक्रम में आयुष चिकित्सा में तकनीक और नवाचार की संभावनाओं पर चर्चा की जाएगी। आयुर्वेद अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान के प्राचार्य डॉ. आशीष मेहता ने कहा कि आयुष चिकित्सा पद्धति में आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक अनुसंधान के समन्वय से स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

खबर संक्षेप

गोमाता भारतीय संस्कृति की जीवन धारा: भारद्वाज

रादौर। डीएवी पब्लिक स्कूल रादौर में आध्यात्मिक ऊर्जा एवं राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत भारत यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान एक हजार दिन से बिना पैसे के भारत भ्रमण कर रहे हरियाणा के करनाल जिले के हर्ष भारद्वाज का विद्यालय में पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के प्रिंसीपल रमन शर्मा ने की। भारत भ्रमण कर रहे हर्ष भारद्वाज ने विद्यार्थियों को गौ माता राष्ट्र माता, पर्यावरण सुरक्षा, स्वदेशी अपनाओ, भारतीय संस्कृति संरक्षण व घर घर गीता और वेदों का ज्ञान विषय पर विस्तार से जानकारी दी।

कल मनाया जाएगा सोमनाथ स्वाभिमान पर्व

यमुनानगर। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अवसर पर 11 मई को जगाधरी के श्री गौरी शंकर मंदिर में जिलास्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम के दौरान भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया जाएगा। मौके पर भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा। उक्त जानकारी उपायुक्त प्रीति ने दी। उपायुक्त प्रीति ने बताया कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व को भव्य रुप से मनाए जाने के लिए प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं है। बल्कि भारतीय संस्कृति, आस्था, परंपरा और आत्मगौरव का प्रतीक है। उपायुक्त प्रीति ने बताया कि जिलास्तरीय कार्यक्रम के लिए जगाधरी के एसडीएम विश्वनाथ को नोडल अधिकारी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी।

महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश से हरियाणा की मंडियों में बिकने पहुंच रहा फलों का राजा

सतर्क रहें, कहीं आपकी सेहत न बिगाड़ दें मीठे और रसीले आम

चिकित्सकों ने बाजारों में बिक रहे आम को दी अच्छी तरह धोकर व छिलका उतारकर खाने की सलाह

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

मौसम में बढ़ रहे तापमान में आम खाने के शौकीनों को फिलहाल इसकी मिठास का स्वाद लेने से गुरेज करना जरुरी है। क्योंकि आंध्रप्रदेश व महाराष्ट्र आदि राज्यों से हरियाणा की फल और सब्जी मंडियों व बाजारों में बिकने के लिए आ रहे आम की मिठास स्वास्थ्य को नुक्सान पहुंचा सकती है।

चिकित्सकों की माने तो अभी स्थानीय आम के पकने में देरी है। मगर बाजारों और रेहड़ियों पर बिक रहा आम बाहर से आ रहा है। जिसे कैमिकल से पकाए जाने की संभावना अधिक रहती है। कैमिलकल से पकाए गए आम के खाने से स्वास्थ्य खराब होने की संभावना रहती है। इसलिए फिलहाल आम खाने से गुरेज करना ही बेहतर है। स्थानीय आम की अभी लोकल आवक शुरू नहीं हुई है। बाजार में पहुंचने वाला आम आंध्रप्रदेश व महाराष्ट्र से आ रहा है। लेकिन अन्य प्रदेशों से हरियाणा, दिल्ली व पंजाब जैसे राज्यों की मंडियों में पहुंचने वाले इस आम को पहले खासतौर पर तैयार किया जाता है। जिससे यह कच्चा आम न केवल तेजी से पककर तैयार हो जाता है बल्कि आम में गाढ़ा पीला रंग भी चढ़ जाता है। चिकित्सकों की माने तो इस प्रकार पकाकर बाजार में बेचा जाने वाला यह आम शरीर में कई प्रकार की घातक बीमारियों को न्यौता देता है। शरीर का नर्वस सिस्टम इन कैमिकलों से सबसे ज्यादा प्रभावित होता है। वहीं पेट की कई गंभीर बीमारियों को भी बढ़ावा मिलता है।

यमुनानगर। बाजार में रेहड़ी पर बेचने के लिए रखे आम। फोटो : हरिभूमि

केमिकल से पके आम खाने से बचें

शहर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. निर्मल सिंह का कहना है कि बाजार में इन दिनों आने वाले आम में कैमिकल लगे होने की संभावना बनी रहती है। इसके संपर्क में आने से आदमी को पेट संबंधि बीमारियां, डायरिया व अन्य रोग हाने की संभावना बन जाती है। उन्होंने बताया कि कैमिकल के बिना पका हुआ आम ही खाना चाहिए। ताकि स्वास्थ्य को कोई नुक्सान ना हो। आम खरीदते समय यह देख लेना चाहिए कि यह कहीं कैमिकल द्वारा पकाया हुआ तो नहीं है। यदि आम खाना है तो उसे अच्छी प्रकार से धोकर व छिलका उतारकर खाना चाहिए।

जिला सचिवालय में जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक में दिए निर्देश

प्रत्येक गांव में स्वच्छ जल की आपूर्ति करें सुनिश्चित: उपायुक्त

सभी ग्राम पंचायतों में ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस पॉलिसी को निर्धारित समय सीमा 30 जून तक लागू करें

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

जिला सचिवालय में जल एवं स्वच्छता मिशन की जिलास्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त प्रीति ने की। बैठक में ग्रामीण जल आपूर्ति प्रणाली के सुचारू संचालन हेतु ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस पॉलिसी-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई।

उपायुक्त प्रीति ने अधिकारियों को सभी ग्राम पंचायतों में ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस पॉलिसी को निर्धारित समय सीमा 30 जून तक मिशन मोड में लागू किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक गांव में मीटर युक्त जल कनेक्शन, नियमित बिलिंग, लीकेज नियंत्रण एवं स्वच्छ जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा आमजन को जागरूक किया जाए। उपायुक्त प्रीति ने बताया कि जिले की सभी 490 ग्राम पंचायतों में विलेज वाटर एवं सीवरेज कमेटी का गठन किया जा चुका है। उन्होंने इन समितियों को और अधिक सक्रिय एवं प्रभावी बनाए जाने तथा इनमें 50 प्रतिशत महिला सहभागिता सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। इसके अलावा सेल्फ हेल्प ग्रुप की भागीदारी बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। एचएसआरएलएम एवं एनयूएलएम विभाग को निर्देशित किया गया कि वे सक्रिय स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों की सूची उपलब्ध करवाएं। ताकि उन्हें वीडब्ल्यूएससी में शामिल कर जल शुल्क संग्रहण एवं संचालन कार्यों में लगाया जा सके। बैठक में ग्राम पंचायतों के लिए एसएन, प्रणाली के अंतर्गत बैंक खाते खोलने के निर्देश भी दिए गए। जिससे वित्तीय प्रबंधन में पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके। उपायुक्त प्रीति ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे कार्यों की नियमित निगरानी एवं समन्वय बनाए रखें तथा किसी भी प्रकार की समस्या का समय पर समाधान सुनिश्चित करें। इस अवसर पर डिप्टी सीईओ जसविंदर सिंह, डीडीपीओ नरेन्द्र कुमार, जिला शिक्षा अधिकारी प्रेमलता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता दिनेश गाबा आदि मौजूद रहे।

यमुनानगर। जिला सचिवालय में जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक में निर्देश देतीं उपायुक्त प्रीति। फोटो : हरिभूमि

यमुनानगर। गुरु नानक खालसा कॉलेज में महाराणा प्रताप के चित्र पर पुष्प अर्पित करते विद्यार्थी व कॉलेज स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

महाराणा प्रताप की शिक्षाओं का अनुशरण करें विद्यार्थी

यमुनानगर। गुरु नानक खालसा कॉलेज यमुनानगर में महाराणा प्रताप की जयंती धूमधाम व देशभक्ति की भावना से उत्साह पूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों व स्टाफ सदस्यों ने महान राजपूत योद्धा महाराणा प्रताप की बहादुरी, बलिदान और आदर्शों को श्रद्धांजलि देकर नमन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कालेज के प्रिंसीपल डॉ. अरविंदर भल्ला ने की। भल्ला ने कहा कि वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप एक महान योद्धा के साथ साथ देशभक्ति की एक अटूट मिशाल थे। उन्होंने विद्यार्थियों को महाराणा प्रताप के जीवन, साहस और शिक्षाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने आत्मसम्मान, देशभक्ति, दृढ़ संकल्प और राष्ट्र के प्रति समर्पण के मूल्यों पर प्रकाश डाला। प्रिंसीपल डॉ. अरविंदर भल्ला ने विद्यार्थियों को अपने जीवन में ईमानदारी और बहादुरी के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। मौके पर विद्यार्थियों को महाराणा प्रताप की गौरवशाली विरासत से सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा महाराणा प्रताप के प्रति अपना सम्मान और प्रशंसा व्यक्त करने, उनके निडर जीवन और महान आदर्शों से प्रेरणा लेने मिठाइयां वितरित की गई। मौके पर डॉ.इकबाल सिंह, डॉ. आरएस वोहरा, डॉ. तिलक राज, डॉ. हेमंत मिश्रा, डॉ. संजय विज, डॉ. साहिब सिंह, कंवल प्रीत सिंह और शिव कुमार मौजूद रहे।

रादौर। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके उन्हें नमन करते एसोसिएशन के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

महाराणा प्रताप का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत

रादौर। महाराणा प्रताप पार्क एसोसिएशन द्वारा शनिवार को रादौर के महाराणा प्रताप पार्क में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस दौरान मुख्यातिथि के रुप में हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा के बेटे एवं वरिष्ठ भाजपा नेता नेपाल सिंह राणा ने भाग लिया। उन्होंने गणमान्य और एसोसिएशन के सदस्यों के साथ महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। मुख्यातिथि एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता नेपाल राणा ने कहा कि वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप एक महान योद्धा थे। जिन्होंने देश के दुश्मनो के दांत खट्टे किए थे। हमे ऐसे महान योद्धा पर गर्व है। हमे उनके जीवन से प्रेरणा लेकर देश के लिए अपना सब कुछ न्योछावर करने के लिए तैयार रहना चाहिए। तभी हम अपने महापुरूषों के सपनो का भारत बना सकते है। हमें उनके बताए मार्ग पर चलकर राष्ट्रहित में कार्य करना चाहिए। उनकी शिक्षाएं हमारे लिए प्रेरणा स्त्रोत का कार्य कर रही है। नेपाल राणा ने कहा कि वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप महान देशभक्त और वीर योद्धा थे। उन्होंने सदैव मातृभूमि की रक्षा के लिए दुश्मनों के साथ लोगा लिया और अपनी मातृभूमि पर आंच नहीं आने दी। हमें ऐसे महान योद्धा और देश भक्त के जीवन चरित्र से प्रेरणा लेकर जीवन में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि महापुरुष सभी के सांझे होते हैं। हमें उनके जीवन चरित्र से प्रेरणा लेकर राष्ट्रहित के लिए कार्य करना चाहिए।

रादौर। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके उन्हें नमन करते एसोसिएशन के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

बच्चों ने अनुपयोगी सामान से बनाई आकर्षक कलाकृतियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

■ राजकीय स्कूल गोबिंदपुरा में कराई गई कला एवं वेस्ट टू आर्ट प्रतियोगिता

नगर निगम यमुनानगर प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे नई सोच,नया शहर, स्वच्छ हरियाणा अभियान के अंतर्गत शनिवार को राजकीय माध्यमिक विद्यालय गोविंदपुरा में कला एवं वेस्ट टू आर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद के निर्देशों पर आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों ने बेकार और अनुपयोगी वस्तुओं से सुंदर डिजाइन, उपयोगी सजावटी सामग्री एवं आकर्षक मॉडल तैयार किए।

स्वच्छ भारत मिशन शहरी टीम के विशेषज्ञ आकाश कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों ने पुराने और अनुपयोगी सामान का सही तरीके से पुनः उपयोग कर पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देने को संदेश दिया। विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई कलाकृतियों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया और उनकी रचनात्मक सोच की सराहना की गई। इसके साथ आयोजित कला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, वेस्ट सेग्रीगेशन, स्वच्छता, रिडयूस, रीयूस, रीसायकल तथा प्लास्टिक मुक्त शहर जैसी थीमों पर सुंदर चित्रकला प्रस्तुत की। रंगों और रचनात्मकता के माध्यम से बच्चों ने स्वच्छ एवं हरित शहर का संदेश दिया। प्रतियोगिता में कई विद्यार्थियों ने स्वच्छता को अपनाने और कचरे के सही प्रबंधन को लेकर प्रेरणादायक चित्र बनाए। मौके पर शहरी टीम के विशेषज्ञ गगन ने विद्यार्थियों को सूखे और गीले कचरे को अलग अलग रखने, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने तथा अपने आसपास साफ. सफाई बनाए रखने के लिए जागरूक किया। उन्होंने बताया कि स्वच्छता केवल अभियान नहीं है। बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।

सोशल मीडिया पर महिला से दोस्ती कर ले गया होटल, किया दुष्कर्म

यमुनानगर। यमुनानगर में सोशल मीडिया पर युवक द्वारा महिला से दोस्ती कर उसे होटल में ले जाकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार करनाल निवासी 40 वर्षीय महिला ने महिला पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उसकी सोशल मीडिया के माध्यम से यमुनानगर के अंकित नामक युवक के साथ दोस्ती हुई थी। इसके बाद आरोपी ने उसका मोबाइल नंबर ले लिया और उससे फोन पर बात करने लगा। पीड़िता ने बताया कि 18 मई 2025 को आरोपी ने उसे यमुनानगर मिलने के लिए बुलाया। जब वह आरोपी से मिलने के लिए यमुनानगर आई तो आरोपी उसे शहर के कन्हैया साहब चौक के नजदीक एक होटल में लेकर गया। जहां आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी ने उसे इस बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने बताया कि इसके बाद भी आरोपी उसके साथ संबंध बनाने का प्रयास करने लगा। परेशान होकर उसने आरोपी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी अंकित के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

गंदगी और अतिक्रमण करने पर आठ दुकानदारों के काटे चालान

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

■ नगर निगम जगाधरी की टीम ने शहर में चलाया विशेष अभियान

शहर में खुले में गंदगी डालने, अतिक्रमण करने व सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल करने वालों पर नगर निगम की टीम ने शिकंजा कसना शुरु कर दिया है। इसी कड़ी में नगर निगम की टीम ने शनिवार को जगाधरी के श्मशान घाट रोड व बुड़िया में कई स्थानों पर छापेमारी कर गंदगी फैलाने व अतिक्रमण करने पर बैग मेकर व कबाड़ी समेत आठ दुकानदारों के चालान किए। नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद के निर्देशों पर सफाई निरीक्षक अमित कांबोज की टीम ने शनिवार को बुड़िया में अभियान चलाकर गंदगी फैलाने व अतिक्रमण करने पर बैग मेकर व कबाड़ी समेत चार दुकानदारों और सिंगल यूज प्लास्टिक व अतिक्रमण करने पर जगाधरी के श्मशान घाट रोड पर तीन रेहड़ी विक्रेताओं व एक दुकानदार पर कार्रवाई की गई। मौके पर एसआई अमित कांबोज ने बुड़िया में बैग विक्रेताओं को कड़ी चेतावनी दी कि यदि बैग बनाने के बाद उसके बचे हुए कचरे को सड़क किनारे या खुले में डाला तो बड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। सफाई निरीक्षक अमित कांबोज ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकना न केवल स्वच्छता नियमों की अवहेलना है। बल्कि इससे शहर की सफाई व्यवस्था भी प्रभावित होती है। उन्होंने बताया कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध है और इसका उपयोग करते पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। अतिरिक्त निगमायुक्त धीरज कुमार ने आमजन से शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कचरे को निर्धारित स्थान पर डालें और गीले.सूखे कचरे को अलग अलग रखें। साथ ही कपड़े या जूट के थैलों का उपयोग करेंए ताकि प्लास्टिक के दुष्प्रभाव को कम किया जा सके।

रादौर। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके उन्हें नमन करते एसोसिएशन के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

रोटरी क्लब वूमेन व इनरव्हील क्लब ने खेड़ा मोहल्ले में उपलब्ध करवाई सुविधा

नि:शुल्क शिविर में 180 लोगों ने करवाई नेत्र व सेहत की जांच

सौ से अधिक लोगों की शुगर, बीपी व अन्य बीमारियों की जांच कर दी गईं दवाइयां

हरिभूमि न्यूज ⏭ रादौर

अंतरराष्ट्रीय समाजसेवी संस्था रोटरी क्लब वूमेन व इनरव्हील क्लब के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को मदर्स डे के उपलक्ष में रादौर के खेड़ा मोहल्ला में स्थित सैनी धर्मशाला ठाकुर द्वारा में नि:शुल्क नेत्र जांच व स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ नगरपालिका चेयरमैन रजनीश मेहता शालु ने रिबन काटकर किया।

शिविर में श्री स्वामी आत्मारामानंद चैरिटेबल आई अस्पताल छोटाबांस के डॉक्टरों की टीम ने लगभग 180 से अधिक लोगों के नेत्रों व स्वास्थ्य की जांच की। शिविर में लगभग 100 लोगों को चश्मे व नि:शुल्क दवाइयां वितरित की गई। वहीं, शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सौ से अधिक लोगों की शुगर, बीपी व अन्य प्रकार की बीमारियों की जांच कर उन्हें दवाइयां वितरित की। रोटरी क्लब वूमेन की प्रधान पूजा माटिया व इनरव्हील क्लब की प्रधान लक्ष्मी चोपड़ा ने बताया कि मदर्स डे के उपलक्ष में आयोजित किए गए नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच व आंखों की जांच के शिविर में स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य लाभ लिया है। मौके पर नपा चेयरमैन रजनीश मेहता शालु ने कहा कि रोटरी क्लब व इनरव्हील क्लब समाजसेवा के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य कर रहा है। जिसकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है। क्लब की ओर से समय समय पर लगाए जा रहे स्वास्थ्य शिविरों में स्थानीय लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिल रहा है। जिसके लिए क्लब के सभी सदस्य बधाई के पात्र हैं। इस अवसर पर इनरव्हील क्लबकी प्रधान लक्ष्मी चोपड़ा, साक्षी पुरूथी, परमजीत कौर, बेअंत कौर एमसी, सुमन शर्मा, रानी सैनी, अनिता झांब, मीनू कांबोज, दीपा चोपड़ा, नीलम मेहता, वीना चोपड़ा, मीनाक्षी कांबोज, पुष्पा मक्कड, खुशी ककड, रोटरी क्लब रादौर के प्रधान सरदार हरजीत सिंह सैनी, सचिव भारत माटिया, मोहनलाल अरोड़ा, देवी दयाल अरोड़ा, सुनील माटिया, मोहित गर्ग, रविंद्र शर्मा, मास्टर गुरचरण सिंह, ब्रह्मप्रकाश टंडन, राजू गुप्ता व संदीप सैनी आदि मौजूद रहे।

रादौर। नि:शुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य जांच शिविर में चेकअप करते चिकित्सक।

150 मरीजों ने कराई आंखों की जांच

राष्ट्रीय जनसेवा कल्याण सेवा मंच के तत्वावधान में शनिवार को शहर के कैंप में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 150 मरीजों के नेत्रों के जांच की और उन्हें निशुल्क दवाईयां व 55 लोगों को चश्में वितरित किए। शिविर का शुभारंभ मंच के प्रदेश अध्यक्ष रोहित वर्मा ने किया। मंच के प्रदेश अध्यक्ष रोहित वर्मा ने कहा कि नेत्र मानव के लिए महत्वपूर्ण अंग है। मनुष्य को समय-समय पर अपनी आंखों की जांच करवाते रहना चाहिए। क्योंकि इस सुंदर संसार को देखने का सौभाग्य हमें नेत्रों द्वारा ही प्राप्त होता है। शिविर के दौरान नेत्र चिकित्सक डॉ. विजय कुमार ने करीब 150 मरीजों की जांच कर उन्हें संस्थान की ओर से नि:शुल्क दवाइयां व चश्मे वितरित किए । मौके पर मंच के रामपाल, सुमेर, गोपी, रविंद्र, मुकेश व सोम पाल आदि मौजूद थे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 7980 मुकदमे निपटाए

यमुनानगर। न्यायिक परिसर यमुनानगर जगाधरी में जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. दयानंद भारद्वाज की देखरेख में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इसमें स्थापित की गई छह बेंच में 7980 मुकदमों का निपटान किया गया। इस दौरान मुआवजे के रूप में 87 लाख 30 हजार 400 रुपये की राशि दी गई। राष्ट्रीय लोक अदालत में मुख्य न्यायाधीश (पारिवारिक न्यायालय) डॉ. अमित शर्मा, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश गुप्ता, सिविल जज (जूनियर डिवीजन) ऋषभ अग्रवाल, सिविल जज (जूनियर डिवीजन) हरलीन कौर व पीयूष चौधरी सिविल जज (जूनियर डिवीजन), सब डिवीजन व्यासपुर गुलशन वर्मा की बेंच ने दोनों पक्षों की आपसी सहमति से मामलों का निपटारा किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम सुमित्रा कादियान ने बताया कि लोक अदालत शीघ्र तथा सरल न्याय का सबसे अच्छा माध्यम है और इसमें न केवल केसों में शामिल दोनों पक्षों के समय और धन की बचत होती है । उन्होंने लोगों से लोक अदालत का लाभ प्राप्त करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि लोक अदालत की प्रक्रिया के बारे में अधिक जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरणए यमुना नगर के हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

यमुनानगर। जिला न्यायिक परिसर में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में मामलों का निपटारा करते न्यायाधीश। फोटो : हरिभूमि

खबर संक्षेप

सतलुज स्कूल में मनाया मातृ दिवस

शाहबाद। सतलुज सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मातृ दिवस के उपलक्ष्य में एक बेहद भावुक और रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें नन्हे बच्चों की मासूमियत और उनकी कला ने सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण छोटे बच्चों द्वारा प्रस्तुत किया गया एक विशेष 'मदर्स डे एक्ट' और शानदार डांस रहा, जिसके माध्यम से उन्होंने अपनी माताओं के प्रति अटूट प्रेम और सम्मान प्रदर्शित किया। इस दौरान स्कूल की कक्षाओं में भी रचनात्मक गतिविधियों की धूम रही, जहाँ बच्चों ने अपने हाथों से सुंदर ग्रीटिंग कार्ड्स बनाए, उन पर अपनी माताओं की तस्वीरें साझा कीं और 'थम्ब इम्प्रेशन' (अंगूठे की छाप) के जरिए अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

ग्रामीण मजदूर हड़ताल को सफल बनाने की अपील

थानेसर। मनरेगा मजदूर यूनियन और जन संघर्ष मंच हरियाणा के कार्यकतार्ओं ने गांव बाहरी और खानपुर रोड़ान में ग्रामीण मजदूरों की सभाएं आयोजित कीं तथा आगामी 15 मई की ग्रामीण मजदूर हड़ताल को सफल बनाने की अपील की। मजदूरों से बातचीत के दौरान जन संघर्ष मंच हरियाणा की नेता चंद्र रेखा, ऊषा कुमारी तथा मनरेगा मजदूर यूनियन के महासचिव सोमनाथ ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने चार लेबर कोड लागू करके और मनरेगा कानून को निरस्त करके वीबी रामजी 2025 कानून बनाकर मजदूरों पर बड़ा हमला बोला है।

लिटल मिलेनियम स्कूल में उत्साह और भावनात्मक माहौल में मनाया मातृ दिवस

फन एक्टिविटीज कर माताओं ने मनाया अपना दिन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

लिटल मिलेनियम स्कूल सेक्टर 3 में मातृ दिवस बड़े ही उत्साह और भावनात्मक माहौल में मनाया गया। इस विशेष अवसर पर अरोग्यम हॉस्पिटल से डॉक्टर आयुषी मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम में शिरकत की। कार्यक्रम विशेष रूप से विद्यालय की मातृशक्ति के लिए आयोजित किया गया था, जिसमें सभी माताओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान माताओं के लिए गाने की धुन पर डांस, फन एक्टिविटीज और रैंप वॉक जैसी मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया। सभी माताओं ने इन गतिविधियों का आनंद लिया और कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। स्कूल परिवार की ओर से सभी माताओं का गर्मजोशी से स्वागत किया गया तथा उन्हें कार्ड और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। मदर्स डे के अवसर पर स्कूल की ओर से माताओं के लिए निःशुल्क हेल्थ चेकअप कैंप का भी आयोजन किया गया। डॉक्टर आयुषी द्वारा माताओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उन्हें स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए गए। स्कूल की इस पहल की सभी माताओं ने सराहना की। कार्यक्रम में मदर्स डे के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने कहा कि मां हमारे जीवन की सबसे महत्वपूर्ण शक्ति होती है, जो अपने बच्चों के लिए निस्वार्थ प्रेम, त्याग और समर्पण का उदाहरण होती है। मां का स्नेह और मार्गदर्शन बच्चों के जीवन को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मदर्स डे हमें अपनी मां के प्रति सम्मान, प्रेम और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। स्कूल प्रबंधक परमिंदर सिंह बाठ ने कहा कि मां का स्थान जीवन में सबसे ऊंचा होता है और हमें हमेशा उनका सम्मान करना चाहिए। वाइस प्रिंसिपल लोविना बग्गा ने कहा कि ऐसे आयोजन परिवार और स्कूल के बीच संबंधों को मजबूत बनाने में सहायक होते हैं तथा माताओं को विशेष महसूस करवाते हैं। सीएलओ ज्योति खनेजा ने माताओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि मां का प्यार जीवन की सबसे बड़ी ताकत है और हमें हमेशा उनका आशीर्वाद व सम्मान बनाए रखना चाहिए। कार्यक्रम में मैनेजमेंट से प्रधान अशविन्दर सिंह, अध्यापिकांए व अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम में खुशी, उत्साह और भावुक पलों का सभी माताओं ने आनंद लिया, स्कूल द्वारा किए गए इस सुंदर आयोजन की सराहना की।

कुरुक्षेत्र। समारोह में मौजूद विद्यार्थियों की माताएं।

मां के प्रेम पर आधारित लघु नाटिका की प्रस्तुत

कुरुक्षेत्र। नवयुग सीनियर सकेंडरी स्कूल, मोहन नगर कुरुक्षेत्र में मातृ दिवस बड़े ही अनूठे ढंग से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए कक्षा स्तर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें सभी विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। कक्षा नर्सरी से द्वितीय के विद्यार्थियों ने अपनी माता के लिए सुंदर उपहार बनाए तथा माता को सुनाने के लिए कविता भी याद की। कक्षा तृतीय से पंचम के विद्यार्थियों ने अपनी माता के लिए सुंदर फूलों की आकृति से मॉम लिखकर अपनी भावनाओं को प्रदर्शित किया। कक्षा षष्ठम से अष्टम के विद्यार्थियों के लिए कार्ड बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा दिखाते हुए सुंदर कार्ड बनाए। कक्षा नवम से द्वादश के विद्यार्थियों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने अपनी माता के प्रति अपने प्यार को दशार्ते हुए बड़े ही सुंदर निबन्ध लिखे। कक्षा नवम की छात्राओं ने मां के प्रेम पर आधारित एक लघु नाटिका तथा नृत्य प्रस्तुत कर के सभी को भाव विभोर कर दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रशासक विकास गाबा, मुख्यध्यापिका प्रीती मिश्रा, को ऑर्डिनेटर ऋतु चौधरी, अध्यापिका मंजीत, अनु, रजनी, सीमा, नैन्सी, परमज्योति, नीतू, रिहाना, पूनम, पिंकी, मोनिका, कोमल, स्वाति, स्मृति, रीमा, स्नेह, गीता, अध्यापक किरनजीत, जसमेर, हेमंत, शक्ति प्रकाश सहित स्टाफ के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

बच्चों ने मां के प्रति जताया प्रेम और सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिहोवा

अक्षरा इंटरनेशनल स्कूल में मातृ दिवस बड़े ही हर्षोल्लास, उत्साह और भावनात्मक माहौल के साथ मनाया गया।

- अक्षरा इंटरनेशनल स्कूल में मातृ दिवस की धूम

कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के मन में मां के प्रति सम्मान, प्रेम और संस्कारों की भावना को और मजबूत करना रहा। इस अवसर पर विद्यालय परिसर रंग-बिरंगी सजावट और बच्चों की आकर्षक प्रस्तुतियों से पूरी तरह मातृमय नजर आया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी माताओं के सम्मान में गीत, नृत्य, कविता पाठ, कार्ड मेकिंग, डांस प्रस्तुतियां तथा विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम से मां के प्रति अपने प्रेम और भावनाओं को व्यक्त किया। बच्चों और माताओं के लिए विशेष गेम्स एवं एक्टिविटी भी आयोजित की गईं, जिनमें सभी ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विद्यालय की चेयरपर्सन पूनम काहड़ा ने कहा कि मां केवल परिवार की नींव ही नहीं बल्कि बच्चों की पहली गुरु भी होती है। मातृ दिवस जैसे आयोजन बच्चों को अपनी मां के त्याग, समर्पण और प्रेम को समझने का अवसर प्रदान करते है। एमडी जन्नत काहड़ा ने कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा देने का माध्यम नहीं बल्कि संस्कार देने का केंद्र भी है। इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों में पारिवारिक मूल्यों और सम्मान की भावना को मजबूत करते हैं। विद्यालय के प्रिंसिपल दुर्गेश शर्मा ने बताया कि स्कूल समय-समय पर इस तरह की रचनात्मक और सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन करता रहता है ताकि बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके। उन्होंने कहा कि मातृ दिवस का यह आयोजन बच्चों और अभिभावकों के लिए यादगार बन गया। कार्यक्रम के अंत में सभी माताओं को सम्मानित किया गया तथा बच्चों ने अपनी माताओं के साथ यादगार पल साझा किए। विद्यालय परिवार की ओर से सभी माताओं को मातृ दिवस की शुभकामनाएं दी गईं।

दिल्ली पब्लिक स्कूल में मदर्स डे सेलिब्रेशन

कुरुक्षेत्र। दिल्ली पब्लिक स्कूल में किंडर गार्डन के बच्चों ने मदर्स डे सेलिब्रेशन किया। कार्यक्रम में डीपीएस विद्यालय के सभी शिक्षकों, प्रधानाचार्य तथा प्रबंधक कमेटी के सदस्य उपस्थित रहे। इस उत्सव में नन्हे मुन्ने बच्चों ने विभिन्न रंगों के परिधान पहने हुए थे। जो काफी आकर्षक लग रहे थे। छोटे-छोटे बच्चों ने विभिन्न नृत्य और गतिविधियों में भाग लिया। मदर्स डे पर स्कूल की प्रधानाचार्य अनिता ने बच्चों को मदर्स डे की बहुत-बहुत शुभकामनाएं दी। उन्होंने मां को जन्मदातरी, मातृशक्ति, सहनशील और न जाने कितने नामों से सम्मानित करके उनके महत्व को प्रतिपादित किया। उन्होंने कहा कि मां बच्चों की प्रथम शिक्षिका है जो भविष्य में भी अपने बच्चों का मार्ग प्रशस्त करती है। मां के सम्मान में मातृ दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर विद्यालय दिल्ली पब्लिक स्कूल द्वारा सभी माताओं को रिटर्न गिफ्ट भी प्रदान किए गए। मां ही वह उपहार है जो प्रकृति ने हमें दिया है।

284 मरीजों ने लिया स्वास्थ्य जांच का लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

सांसद नवीन जिन्दल के मार्गदर्शन में नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा मोबाइल मेडिकल यूनिट का संचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को एक मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा जिन्दल हाउस, कुरुक्षेत्र में जरूरतमंद मरीजों का फॉलो-अप किया गया और उन्हें आवश्यक चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गईं। दूसरी मोबाइल मेडिकल युनिट ने द्रोणाचार्य स्टेडियम में खिलाड़ियों का लाभन्वित किया। आज दोनों मोबाइल मेडिकल युनिट में 284 लोगों की सामान्य स्वास्थ्य जांच कर परामर्श दिया गया, साथ ही 53 लोगों के रक्त परीक्षण भी किए गए। जांच के उपरांत सभी मरीजों को आवश्यक दवाइयां निःशुल्क उपलब्ध करवाई गईं। नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा चलाए जा रहे स्वस्थ कुरुक्षेत्र अभियान के तहत यह मोबाइल मेडिकल यूनिट नियमित रूप से कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रही है। इस अभियान का उद्देश्य केवल उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों को संतुलित खान-पान, स्वच्छता और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के प्रति जागरूक करना भी है। इस संबंध में जानकारी देते हुए सांसद कार्यालय प्रभारी एवं पूर्व आईएएस अधिकारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल का लक्ष्य है कि कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र का कोई भी नागरिक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित न रहे।

- नवीन जिन्दल फाउंडेशन की मोबाइल मेडिकल यूनिटों का किया जा रहा संचालन

गीता कन्या विद्यालय में आचार्य दक्षता वर्ग का किया आयोजन

कुरुक्षेत्र। विद्या भारती हरियाणा एवं हिंदू शिक्षा समिति के संयुक्त तत्वाधान में अमीन मार्ग स्थित गीता कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आचार्या दक्षता वर्ग का आयोजन किया गया। दक्षता वर्ग का आरंभ गीत द्वारा किया गया। इसके पश्चात प्रातः स्मरण, एकात्मकता मंत्र एवं एकात्मकता स्तोत्र के श्लोकों का उच्चारण किया गया। विद्यालय आचार्या सोनिया द्वारा शरीर के विभिन्न अंगों को स्वस्थ रखने के लिए तथा मन की एकाग्रता को बढ़ाने के लिए आसन, योग व प्राणायाम करवाए गए। योग के पश्चात वंदना सत्र रहा। मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर वंदना सत्र का शुभारम्भ किया गया। बौद्धिक सत्र आचार्या सुधा ने लिया जिसका विषय विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच रहा। उन्होंने वैज्ञानिक सोच का अर्थ बताते हुए कहा कि हमें अंधविश्वास न करके किसी भी तथ्य को नहीं मानना चाहिए, बल्कि उसके पीछे क्या कारण है उसको जानना चाहिए। उन्होंने बताया कि हमें अपनी दैनिक जीवन की समस्याओं को सुलझाने के लिए वैज्ञानिक तथ्यों का प्रयोग करना चाहिए। श्रीमती बिंदु द्वारा समता में गण विभाग, प्रतिसर, पूर्व सर, वामा अर्ध वृत्त, दक्षिण अर्धवृत्त की आज्ञाओं का अभ्यास करवाया गया।

श्रीश्री रविशंकर के 70वें अवतरण दिवस पर भव्य भजन संध्या 13 मई को

कुरुक्षेत्र। आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन, कुरुक्षेत्र की ओर से परम पूज्य गुरुदेव श्रीश्री रविशंकर जी के 70वें अवतरण दिवस के पावन अवसर पर भक्ति एवं आध्यात्मिकता से ओत-प्रोत भजन संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें विभिन्न गायक सुंदर सुंदर भजनों की प्रस्तुति देंगे। जिला विकास समन्वयक कपिल मित्तल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह भव्य आयोजन 13 मई, बुधवार को सायं 6 बजे राज पैलेस, पेहोवा रोड, कुरुक्षेत्र में आयोजित होगा। कार्यक्रम के उपरांत रात्रि 8 बजे प्रसादम की व्यवस्था भी की गई है। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर आयोजित एक बैठक में सुदर्शन अग्रवाल, सुनीता भारद्वाज, विमल गर्ग, ज्योति सिंह, अनीता चौधरी, गौरव राजपाल, आस्था राजपाल, अक्षय मित्तल, संजीव, गौरव सिंगला, मान सिंह आदि मौजूद रहे।

उपायुक्त ने प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों का लिया जायजा, सीएम सैनी करेंगे शिरकत

पिहोवा। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व-1000 वर्ष की अखंड आस्था कार्यक्रम का आयोजन भारत की सनातन संस्कृति, आस्था, स्वाभिमान और गौरवशाली इतिहास को समर्पित होगा। कार्यक्रम का उद्देश्य देश की सांस्कृतिक विरासत, सनातन परंपराओं तथा सोमनाथ मंदिर के गौरवशाली इतिहास से नई पीढ़ी को जोड़ना है। यह पर्व भारत की उस अदम्य आस्था और आत्मसम्मान का प्रतीक है, जिसने अनेक चुनौतियों के बावजूद अपनी सांस्कृतिक चेतना को सदैव जीवित रखा। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने शनिवार को श्री संगमेश्वर महादेव मंदिर अरुणाय का दौरा कर प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। उपायुक्त मीणा ने कहा कि 11 मई को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व-1000 वर्ष की अखंड आस्था कार्यक्रम का श्री संगमेश्वर महादेव मंदिर अरुणाय में प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी अरुणाय में 101 महिलाओं की कलश यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। महिलाएं अपने-अपने सिर पर कलश लेकर मंदिर तक पहुंचेंगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मंदिर के गर्भगृह में विधिपूर्वक पूजा अर्चना करेंगे।

दिल में छेद से पीड़ित बच्चे का सफल ऑपरेशन

कुरुक्षेत्र। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत एक सराहनीय कार्य करते हुए टीम सीएचसी मथाना द्वारा 7 वर्षीय बालक प्रिंस निवासी डेरा प्रेम नगर के हृदय में जन्मजात छेद का सफल एवं निशुल्क ऑपरेशन करवाया गया। जानकारी देते हुए डॉ सुरेश शर्मा ने बताया कि प्रिंस को जन्म से ही हृदय संबंधी समस्या थी,। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम सीएचसी मथाना द्वारा नियमित स्वास्थ्य जांच के दौरान बच्चे की इस गंभीर बीमारी की पहचान की गई। तत्पश्चात आवश्यक चिकित्सीय परामर्श एवं प्रक्रियाओं को पूरा करते हुए बच्चे को उच्च स्तरीय उपचार के लिए इंडस हॉस्पिटल, मोहाली में रेफर किया गया। इंडस हॉस्पिटल, मोहाली में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा प्रिंस का सफल ऑपरेशन किया गया।

उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम ने सोलर लक्ष्य में पाया प्रदेश में शीर्ष स्थान : जिंदल

वित्तीय वर्ष में 7000 से ज्यादा सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरियाणा में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। निगम के अधीक्षक अभियंता कुरुक्षेत्र मदन गोपाल जिंदल ने बताया कि 31 मार्च 2026 तक सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य 4677 निर्धारित किया गया था, जबकि इसके मुकाबले 5117 सोलर पैनल स्थापित कर 110 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया गया। इस उपलब्धि के साथ उत्तर हरियाणा क्षेत्र प्रदेशभर में शीर्ष स्थान पर रहा। उन्होंने बताया कि अप्रैल माह में भी लगभग 700 नए सोलर पैनल लगाए गए हैं और वित्तीय वर्ष में तीन हजार आठ सौ सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य रखा गया है जिसे हमने डबल यानी 7000 सोलर पैनल से ज्यादा लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं और सब्सिडी का लाभ लोगों तक पहुंचाने के लिए निगम लगातार प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि दो किलोवाट तक के सोलर सिस्टम पर केंद्र सरकार की ओर से 60 हजार रुपये तक की सब्सिडी दी जा रही है, जबकि तीन किलोवाट तक से 10 किलोवाट तक के सिस्टम पर 78 हजार रुपये तक की सब्सिडी उपलब्ध है। एस.ई. मदन गोपाल जिंदल ने बताया कि जिन बीपीएल परिवारों की वार्षिक आय 1 लाख 80 हजार रुपये से कम है, उन्हें केंद्र और राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त सहायता दी जाती है। इससे कई परिवारों का सोलर पैनल लगाने का पूरा खर्च लगभग निकल जाता है। उन्होंने कहा कि निगम लोगों को बैंक लोन की सुविधा के बारे में भी जागरूक कर रहा है ताकि आर्थिक रूप से कमजोर परिवार भी योजना का लाभ उठा सकें।

पुरानी पेंशन बहाली व नई शिक्षा नीति पर चर्चा

अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ की प्रदेश स्तरीय बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ की प्रदेश स्तरीय बैठक का आयोजन कुरुक्षेत्र स्थित जाट धर्मशाला में किया गया। बैठक की अध्यक्षता अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के राष्ट्रीय प्रधान बसवराज गौरीकर द्वारा की गई। राज्य प्रवक्ता अमित छाबड़ा व प्रेस सचिव सूबे सिंह सुजान ने बताया कि बैठक में विभिन्न राज्यों से आए शिक्षक प्रतिनिधियों द्वारा शिक्षा एवं अध्यापक हितों से जुड़े अनेक विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेष रूप से पुरानी पेंशन बहाली, पदोन्नति, समान कार्य के लिए समान वेतन, अध्यापकों पर बढ़ते गैर-शैक्षणिक कार्यों का बोझ, एकल अध्यापक विद्यालयों की समस्याएं, रिक्त पदों को भरने, स्थानांतरण नीति, सेवा सुरक्षा तथा शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया है। बैठक में टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट से संबंधित मामले पर भी गहन चर्चा हुई। राष्ट्रीय महासचिव कमलाकांत त्रिपाठी ने कहा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पुनर्विचार याचिका स्वीकार कर ली गई है। इसके बावजूद यदि भविष्य में अध्यापक हितों के विरुद्ध कोई प्रतिकूल परिस्थिति उत्पन्न होती है, तो संगठन देशभर के शिक्षकों के हित में संयुक्त रूप से आंदोलन एवं आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने का निर्णय लेगा। इसके अतिरिक्त पुरानी पेंशन बहाली योजना तथा नई शिक्षा नीति पर भी गंभीर एवं विस्तृत चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने कहा कि नई शिक्षा नीति को लागू करते समय अध्यापकों एवं विद्यार्थियों के हितों की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए तथा शिक्षा व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ और व्यवहारिक बनाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में राष्ट्रीय कार्यकारी महासचिव विनोद ठाकरान, राज्य प्रधान तरुण सुहाग, राज्य महासचिव राजेश शर्मा, राज्य कोषाध्यक्ष सुनील यादव आदि ने भूमिका निभाई।

रोहित सरदाना की स्मृति में भूमि पूजन

कुरुक्षेत्र। श्रीमद्भगवद्गीता वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रेलवे रोड के प्रांगण में एक भावपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय के यशस्वी पूर्व छात्र और देश के राष्ट्रवादी प्रख्यात पत्रकार स्वर्गीय रोहित सरदाना की पावन स्मृति को चिरस्थायी बनाए रखने के लिए विद्यालय परिसर में स्मृति द्वार के निर्माण हेतु विधि-विधान से भूमि पूजन संपन्न हुआ। वशिष्ठ अतिथि के तौर पर कैलाश सैनी कार्यालय प्रभारी मुख्यमंत्री हरियाणा और मुख्य अतिथि के तौर पर सुभाष सुधा पूर्व मंत्री, विजय नड्डा संगठन मंत्री, विद्या भारती उत्तर क्षेत्र मौजूद रहे। ऋषि राज वशिष्ठ अध्यक्ष, हिंदू शिक्षा समिति, महेंद्र पाल सिंगला अध्यक्ष, विद्यालय प्रबंध समिति, अशोक रोशा वरिष्ठ उपाध्यक्ष विद्यालय प्रबंध समिति वीरेंद्र वालिया प्रबंधक, अनिल मदान प्राचार्य रमेश गुलाटी कोषाध्यक्ष पंकज शर्मा राष्ट्रीय संयोजक पूर्व छात्र परिषद, संजय चौधरी क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख पूर्व छात्र परिषद, अखिलेश अध्यक्ष पूर्व छात्र परिषद, चेतराम शर्मा उपाध्यक्ष हिंदू शिक्षा समिति रोहित सरदाना के पिता रतनचंद सरदाना, एवं रोहित सरदाना परिवार एवं अनेकगणमान्य लोग इस कार्यक्रम में उपस्थित हुए।

धार्मिक एवं तीर्थ यात्रा पूरी, श्रद्धालुओं का जत्था कुरुक्षेत्र के लिए रवाना

सचखंड श्री हजूर साहिब नांदेड़ के हर कण में गुरुओं का इतिहास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

तख्त सचखंड श्रीहजूर साहिब नांदेड़ महाराष्ट्र की माटी के कण कण में गुरुओं का वास है। इस क्षेत्र में श्रद्धालुओं ने गुरुओं के ऐतिहासिक स्थलों, तप स्थलों तथा गुरुद्वारों के दर्शन किए। इन धार्मिक स्थलों के दर्शन के साथ ही 6 दिवसीय मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन यात्रा ऐतिहासिक एवं यादगार क्षणों के साथ संपन्न हुई। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 5 मई को धार्मिक एवं तीर्थ यात्रा को रवाना किया गया था। इस यात्रा में 9 जिलों के 800 से ज्यादा श्रद्धालुओं ने तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब नांदेड़ महाराष्ट्र के दर्शन किए। यह यात्रा कुरुक्षेत्र के लिए वापस रवाना हो चुकी है और 10 मई को निर्धारित शेड्यूल के अनुसार कुरुक्षेत्र रेलवे स्टेशन पर पहुंच जाएगी। जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी तथा नोडल अधिकारी डा. नरेंद्र सिंह के कहा कि तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब नादेंड महाराष्ट्र की यात्रा ऐतिहासिक एवं यादगार रही।

गुरुस्थलों और पवित्र स्थलों की यात्रा की

इस यात्रा में शामिल सभी श्रद्धालुओं ने श्री गुरु गोबिंद सिंह महाराज जी के सचखंड व तपो भूमि, सभी गुरुद्वारों के दर्शन करने के साथ साथ पवित्र गोदावरी नदी, बाबा बंदा सिंह बहादुर का ऐतिहासिक स्थल, नगीना घाटी गुरुद्वारा, माता साहिब कौर जी की तपोभूमि को देखा। इन यात्रियों ने पहली गुरुओं के ऐतिहासिक स्थलों को देखने का मौका मिला है। यह मौका मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रयासों से मिला है। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र के सहायक सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी बलराम शर्मा के अलावा सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग से चालक अंकुर राणा, वरिष्ठ कैमरामैन नरेश सैनी, रोहतक से नरेंद्र, यमुनानगर से जय सिंह, करनाल से अविशेष, अंबाला से कृष्ण कुमार, कैथल से गुरप्रीत सिंह, पानीपत से हरपाल सिंह, पलवल से सतीश कुमार, फरीदाबाद से सुरेश कुमार ने यात्रा में अपना पूरा योगदान दिया तथा विभाग के नियमानुसार जो ड्यूटी उन्हें दी गई थी वह भी पूरी तरह से निभाई है।

खबर संक्षेप

दालमवाला स्कूल में लगा रक्तदान-नेत्र जांच शिविर

जींद। महीने के दूसरे शनिवार को दालमवाला पब्लिक स्कूल में पीटीएम के साथ-साथ रक्तदान एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन हुआ। रक्तदान शिविर में जींद के मेट्रो अस्पताल की मेडिकल टीम ने अपना योगदान दिया। दालमवाला पब्लिक स्कूल में अध्यापक अभिभावक मीटिंग में पहुंचे। स्कूल निदेशक मोहित दालमवाला ने बताया कि अभिभावकों ने बच्चों की अपडेट लेने के साथ रक्तदान करते अपनी-अपनी आंखों की भी जांच करवाई और नेत्र जांच डॉक्टर आशीष ने उन्हें उचित मार्गदर्शन भी प्रदान किया।

खाटू श्याम संकीर्तन महोत्सव मनाया

नरवाना। नरवाना के हुड्डा ग्राउंड में शुक्रवार को द्वितीय खाटू श्याम संकीर्तन महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। बाबा श्याम के लाडले संस्था द्वारा पिछले कई दिनों से इस आयोजन की तैयारी को लेकर काफी जोश था। इस आयोजन में भव्य पंडाल इत्र वर्षा, पुष्प वर्षा का विशेष प्रबंध रहा। इसके साथ-साथ अलौकिक बाबा श्याम का श्रृंगार और छप्पन भोग का प्रसाद विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। महोत्सव में विशेष रूप से श्याम रसोई का आयोजन किया गया। सुप्रसिद्ध भजन कलाकार अभिषेक नामा जयपुर वाले व सुप्रसिद्ध भजन गायिका शर्मा सिस्टर कानपुर वाली श्याम बाबा के भजनों से श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया।

छात्राएं निर्धारित समय सीमा में पंजीकरण करें

जींद। उच्च शिक्षा विभाग के पोर्टल पर कॉलेजों में ऑनलाइन प्रवेश हेतु पंजीकरण प्रक्रिया सात मई को प्रारंभ प्रारंभ हो चुकी है। इच्छुक छात्राएं निर्धारित समय सीमा के भीतर पोर्टल पर जाकर अपना पंजीकरण कर सकती हैं। हिंदू कन्या महाविद्यालय की प्रबंधक समिति द्वारा मेधावी एवं खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को प्रोत्साहित करने हेतु फीस में विभिन्न योजनाएं लागू की गई है। शैक्षणिक क्षेत्र में 12वीं कक्षा में 75 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को फीस में बिना किसी शुल्क के पूर्ण रूप से मुफ्त दाखिला दिया जाएगा।

शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर करें निवारण

जींद। उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने कहा कि लोगों की शिकायतों का त्वरित समाधान हो इसी उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा सीएम विंडो व जनसंवाद जैसे पोर्टलों की शुरूआत की है ताकि लोगों को अपनी शिकायतों का समाधान करवाने का एक मंच मिल सके। इसलिए इन पोर्टलों पर आने वाली शिकायतों निवारण करें ताकि लोगों को समस्याओं से राहत मिल सके।

खांडा स्कूल में पक्षियों के लिए लगाए कसोरे

जींद। राजकीय वरिष्ठ मध्यमिक खांडा में एनएसएस अधिकारी देवेंद्र कौशिक ने स्वयंसेवकों के साथ मिलकर विद्यालय में पक्षियों के लिए कसोरे लगाए। प्रधानाचार्य डा. अशोक कुमार ने कहा कि हर व्यक्ति को कसोरे अवश्य वृक्षों पर लटकाने चाहिए ताकि पक्षी पानी पी सकें। मौके पर संजीव कुमार, डा. रामचंद्र व स्वयंसेवक मौजूद रहे।

ओपीएस विद्या मंदिर स्कूल में जमा करवानी होगी चुनाव संबंधी सामग्री

ईवीएम के साथ पोलिंग पार्टियां रवाना, 191 बूथों पर होगा मतदान

रिटर्निंग अधिकारी बोले, चुनाव ड्यूटी में बर्दाश्त नहीं होगी लापरवाही, कल सुबह सात बजे होगी मॉक पोल की प्रक्रिया

अंबाला। निगम चुनाव को लेकर बूथों के लिए रवाना होती पोलिंग पार्टियां।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

नगर निगम चुनाव को लेकर शनिवार को सेक्टर 9 स्थित ओपीएस विद्या मंदिर स्कूल से पोलिंग पार्टियां रवाना हो गई। इससे पहले इन पार्टियों को चुनाव सामग्री देकर उन्हें निर्धारित बूथों पर जाने के निर्देश दिए गए। रिटर्निंग अधिकारी एवं अतिरिक्त उपायुक्त विराट ने चुनाव से जुड़ी पोलिंग पार्टियों को उनकी ड्यूटी के बारे में विस्तार से जानकारी। साथ ही चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करवाने के निर्देश दिए गए। रिटर्निंग अधिकारी ने बताया कि रविवार को सुबह 8 बजे मतदान शुरू हो जाएगा। मतदान शाम 6.00 बजे तक होगा। इससे पहले राज्य चुनाव आयोग की हिदायतों अनुसार रविवार प्रातः 7 बजे मॉक पोल की प्रक्रिया भी की जाएगी। उन्होंने बताया कि मतदान के तहत पोलिंग पार्टियों को ईवीएम मशीनों के साथ-साथ चुनाव संबंधी अन्य सभी सामग्री दी गई है। पोलिंग पार्टियों व उनके साथ जुड़े अधिकारियों को तमाम चुनाव प्रक्रिया के बारे में एक बार फिर विस्तार से जानकारी दी गई है ताकि वे मतदान के कार्य को पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ करवा सकें। उन्होंने यह भी कहा कि सभी बूथों पर पोलिंग पार्टियों के लिए जलपान, रहने की व्यवस्था के साथ-साथ सुरक्षा की दृष्टि से पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हम सबकी सांझी जिम्मेवारी है कि नगर निगम चुनाव को हमें राज्य चुनाव आयोग की हिदायतों अनुसार बेहतर समन्वय के साथ संपन्न करवाना है। सेक्टर 9 स्थित ओपीएस विद्या मंदिर स्कूल में काउंटरों की बेहतर व्यवस्था के साथ प्रत्येक काउंटर पर निर्धारित बूथों के तहत पोलिंग पार्टियों को ईवीएम मशीन व चुनाव सामग्री दी गई है। इस दौरान उनके साथ चुनाव ड्यूटी पर लगे पुलिस कर्मचारी भी साथ रहे जोकि उनके साथ बूथों पर जाएंगे। मतदान के बाद पोलिंग पार्टियों को जो ईवीएम मशीनें सदस्य व व मेयर पद के चुनाव के लिए दी गई थी वे उन्हें इसी काउंटर पर आकर जमा करवानी होगी। इस मौके पर सीईओ जिला परिषद गगनदीप, डिप्टी सीईओ राजन सिंगला, एआरओ आदित्य रंगा, एआरओ अश्वनी कुमार, चुनाव तहसीलदार गुलशन शर्मा भी मौजूद रहे।

निगम चुनाव में सुरक्षा के अभेद्य इंतजाम एक हजार पुलिस जवान संभालेंगे मोर्चा

अंबाला नगर निगम चुनावों को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के उद्देश्य से शनिवार को पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत ने ओपीएस स्कूल में चुनावी ड्यूटी में तैनात होने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को विस्तृत ब्रीफिंग दी और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

एसपी अजीत सिंह शेखावत ने बताया कि चुनाव के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए करीब एक हजार पुलिस कर्मचारी तैनात किए गए हैं। किसी भी आपात स्थिति से निपटने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कमांडो सहित चार रिजर्व फोर्स को अलर्ट पर रखा गया है। संवेदनशील बूथों की पहचान कर वहां अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है, ताकि मतदान प्रक्रिया में कोई बाधा न आए। सुरक्षा को चाक-चौबंद करने के लिए जिले के बॉर्डर इलाकों में विशेष नाके लगाए गए हैं। शरारती तत्वों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सूचना तंत्र (इंटेलीजेंस) को मजबूत किया गया है। इसके साथ ही, निरंतर गश्त के लिए पैट्रोलिंग पार्टियों की तैनाती की गई है। सभी डीएसपी और थाना प्रबंधक खुद फील्ड में रहकर स्थिति की निगरानी करेंगे और गश्त करेंगे। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि चुनाव के दौरान शांति भंग करने या हुड़दंग मचाने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे बिना किसी डर के अपने मताधिकार का प्रयोग करें।

वेतन सहित अवकाश घोषित

जिलाधीश अजय सिंह तोमर ने कहा कि नगर निगम चुनावके मद्देनजर 10 मई को जिले के अधिकार क्षेत्र में आने वाली सभी दुकानों एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के लिए वेतन सहित अवकाश घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि यह अवकाश केवल उन श्रमिकों व कर्मचारियों के लिए मान्य होगा जो नगर निगम चुनाव-2026 में अपने मताधिकार का प्रयोग करने हेतु पंजीकृत पात्र मतदाता हैं। जिलाधीश ने सभी दुकानों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान संचालकों को निर्देश दिए कि वे अधिसूचना में जारी प्रावधानों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करें।

1857 के संग्राम में प्रदेश के वीरों का योगदानः स्नेही

अंबाला। डॉ. प्रदीप स्नेही को सम्मानित करते हुए रिटायर्ड इंजीनियर्स।

- मेरठ से नौ घंटे पहले अंबाला में हुआ था स्वतंत्रता संग्राम का शंखनाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

रिटायर्ड इंजीनियर्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा अंबाला शहर के अंबाला क्लब में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य आमंत्रित वक्ता के रूप में एसए जैन कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. प्रदीप शर्मा ' स्नेही ' ने कहा कि 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में प्रदेश के वीरों का अहम योगदान था। महान इतिहासकार डॉ. केसी. यादव को उद्धृत करते हुए डॉ. स्नेही ने बताया कि स्वतंत्रता संग्राम का मेरठ में शंखनाद होने से नौ घंटे पहले ही अंबाला में इसकी शुरुआत हो गई थी। उन्होंने बताया कि बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह, झज्जर के नवाब अब्दुर्रहमान खां, लाला हुकमचंद जैन, फ़क़ीरचंद जैन, नंदा और रूपराम सहित अनेक वीरों ने अपने प्राणों का उत्सर्ग किया। हरियाणा के विभिन्न क्षेत्रों के अनेक वीरों के साथ साथ अंबाला के आसपास के गांवों के अनेक वीर भी मातृभूमि की बलिवेदी पर शहीद हुए। उन्होंने प्रमुख स्वतंत्रता तीर्थों - अंबाला , करनाल ,बल्लभगढ़ ,रेवाड़ी , फर्रूखनगर, झज्जर , रोहतक , हांसी हिसार व रोहनात को नमन करते हुए वहां के निवासियों के स्वतंत्रता संग्राम में अविस्मरणीय योगदान की जानकारी देने के साथ-साथ ब्रिटिश शासन की नृशंसता के बारे में भी बताया।डॉ. स्नेही ने कहा भले ही 1857 के स्वतंत्रता संग्राम को अंग्रेजों ने कुचल दिया हो पर आज़ादी के परवानों ने अपने प्राणों की आहुति देकर स्वतंत्रता प्राप्ति की जो लौ प्रदीप्त की थी उसी के वशीभूत देश अंततः 1947 में स्वतंत्र हो सका था। स्वतंत्रता संग्राम के बाद के आंदोलनों में भी प्रदेश के अनेक पुरुषों और महिलाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया था। कार्यक्रम के अंत में रिटायर्ड इंजीनियर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेश चोपड़ा ने डॉ. स्नेही और प्रेम चंद अग्रवाल का धन्यवाद करते हुए उन्हें एसोसिएशन की ओर से सम्मानित किया।

पार्षदों ने किया सफाई कर्मियों की हड़ताल का समर्थन

जींद। नगर परिषद जींद में सफाई कर्मचारियों की अपनी मांगों को लेकर राज्यस्तरीय हड़ताल पिछले नौ दिनों से लगातार जारी है। शनिवार को नगर परिषद जींद की पार्षद एसो के प्रधान सतीश हरियाणवी के नेतृत्व में पार्षदों ने भी कर्मचारियों का समर्थन किया। अपने वक्तव्य में पार्षद सतपाल कुंडू, डा. बलवीर श्योराण ने हड़ताल के चलते इन कर्मचारियों को हरसंभव मदद पहुंचाने का आश्वासन दिया और 5100 रुपये नगद देकर उनका हौसला बढ़ाया। उम्मीद है कि सरकार जल्द ही कर्मचारियों की मांगों को पूरा करने का काम करेगी और शहर में सफाई का काम सुचारू रूप से चालू हो जाएगा। नप हरीश अरोड़ा, महावीर रेढू, संजय वत्स, महिपाल कौशिक, सियाराम गोयल, राकेश चुघ, प्रदीप सिंगरोहा, नरेश सैनी, सुनील कुमार, संजय गांधी के अलावा सफाई कर्मचारी प्रधान ब्रिजेंद्र सिंह व हड़ताल अध्यक्ष सोहन लाल व सफाई कर्मचारी मौजूद रहे।

लाइफ स्किल बेसिक पर शिक्षकों के लिए सेमिनार

जींद। डीएवी शताब्दी पब्लिक स्कूल जींद में लाइफ स्किल बेसिक पर शिक्षकों के लिए सेमिनार आयोजित किया गया। यह सेमिनार प्राचार्य डा. नीरज कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस सत्र का नेतृत्व सीबीएसई के रिसोर्स पर्सन डा. कनिका और डा. श्वेता जैन ने किया। इसका शुभारंभ रिसोर्स पर्सन और प्राचार्य डा. नीरज कुमार द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। रिसोर्स पर्सन डा. कनिका और डा. श्वेता जैन ने जीवन कौशल आधारित सीखने और आधुनिक शिक्षण विधियों पर बहुमूल्य जानकारी सांझा की। छात्रों के समग्र विकास में संचार कौशल, भावनात्मक विकास, आलोचनात्मक सोच और कक्षा में सकारात्मक बातचीत के महत्व को समझाया। दैनिक जीवन में ईमानदारी, सहानुभूति, सम्मान, जिम्मेदारी और अनुशासन जैसे मूल्यों के महत्व पर ज्ञानवर्धक जानकारी सांझा की। वास्तविक जीवन के उदाहरणों, आकर्षक गतिविधियों, सामूहिक गीत और समूह चर्चाओं ने इस सत्र को रोचक और सार्थक बना दिया।

17 को शहजादपुर में होगा महाराणा प्रताप जयंती पर राज्यस्तरीय समारोह

- इनेलो कार्यकर्ताओं ने थामा भाजपा का दामन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शहजादपुर

शहजादपुर। पार्टी में शामिल होने वाले ग्रामीणों का अभिनंदन करते मंत्री श्याम सिंह राणा। फोटो : हरिभूमि

प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण, मंत्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि वीरता और स्वाभिमान के प्रतीक महाराणा प्रताप जयंती पर 17 मई को राज्यस्तरीय समारोह होगा। वे शनिवार को गांव खुड्डा कलां व तंदवाल में ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 9 मई को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में सीएम नायब सिंह सैनी को आमंत्रित किया गया है इसलिए उनकी व्यस्तता के चलते शहजादपुर का कार्यक्रम 17 मई के लिए निर्धारित किया गया है। गांव तंदवाल में आयोजित कार्यक्रम में इनलों से जुड़े कई कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हुए। मंत्री राणा ने सभी को पार्टी का पटका पहनाकर उनका स्वागत किया और कहा कि पार्टी में उन्हें पूरा मान-सम्मान मिलेगा। शामिल होने वालों में दलबीर सिंह, गुरप्रीत सिंह, शंटी, तेजपाल, गुरमेल सिंह, कुलदीप सिंह, बलविंद्र सिंह, नवाब, आदि शामिल रहे।

शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए शिविर लाभदायक

अलेवा। सिविल सर्जन जींद डा. सुमन कोहाली के निर्देशानुसार शनिवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत पीएचसी नगूरां में गर्भवती महिलाओं के लिए एक विशेष जांच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगूरां चिकित्सा अधिकारी डा. दीक्षा यादव ने की। शिविर के दौरान गर्भवती महिलाओं का बीपी, वजन, हीमोग्लोबिन, शुगर, पेशाब एवं अन्य आवश्यक जांची की गई तथा आवश्यक दवाइयों एवं पौष्टिक डाइट का वितरण भी किया गया। साथ ही महिलाओं को सुरक्षित मातृत्व, संतुलित आहार, संस्थागत प्रसव एवं नियमित जांच के प्रति जागरूक किया गया। चिकित्सा अधिकारी डा. दीक्षा यादव ने बताया गया कि प्रत्येक माह की नौ तारीख को आयोजित होने वाला यह अभियान गर्भवती महिलाओं एवं शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा सभी लाभार्थियों से समय पर जांच करवाने की अपील की गई। स्टाफ नर्स मोनिका, फार्मासिस्ट वरुण, राकेश एलटी, सीएचओ नीतू, एएनएम दर्शना, एएनएम नवीन सहित आशा वर्कर्स आदि मौजूद रहे।

मदर्स डे पर बच्चों ने बनाई मां की तस्वीर कहा- मम्मी मेरी सबसे अच्छी दोस्त

- विद्यार्थियों ने पेंटिंग बनाकर दिया मातृत्व सम्मान का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

अंबाला। मदर्स डे पर अपनी कलाकृतियां दिखाते बच्चें। फोटो : हरिभूमि

मदर्स डे के अवसर पर जिले के विभिन्न विद्यालयों में भावनाओं और उत्साह से भरे कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में बच्चों ने अपनी मां के सम्मान में पेंटिंग बनाई, कार्ड तैयार किए, कविताएं सुनाई और सेल्फी विद मॉम गतिविधि में भाग लिया। स्कूलों में आयोजित इन आयोजनों ने मातृत्व के सम्मान और पारिवारिक मूल्यों का संदेश दिया। जिले के कई राजकीय प्राथमिक, माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में सुबह से ही विशेष गतिविधियां शुरू हो गई थी। विद्यालय परिसरों को रंग-बिरंगे पोस्टर और संदेशों से सजाया गया था। कार्यक्रमों में बच्चों ने अपनी भावनाओं को रंगों के माध्यम से कागज पर उतारा। किसी बच्चे ने मां को देवी के रूप में चित्रित किया तो किसी ने मां को अपने जीवन की सबसे बड़ी प्रेरणा बताया।

रधाना में चलाया रैपिड फीवर मास सर्वे अभियान

जींद। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खरकरामजी के अंतर्गत रधाना गांव में स्वास्थ्य कर्मियों की टीम द्वारा ब्लॉक एजुकेटर महेंद्र सिंह, स्वास्थ्य सुपरवाइजर तेजवीर सिंह के नेतृत्व में रैपिड फीवर मास सर्वे अभियान चलाया। जिसमें स्वास्थ्यकर्मियों की टीम ने घर-घर जाकर लोगों के स्वास्थ्य की जांच की और मौसमी बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक किया व पंपलेट बांटे। अभियान के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों की टीम ने गांव के विभिन्न हिस्सों का दौरा किया। इस दौरान बुखार से पीड़ित व्यक्तियों की पहचान कर उनकी रक्त पट्टिकाएं बनाई गई ताकि समय रहते मलेरिया जैसी गंभीर बीमारियों का पता लगाया जा सके। स्वास्थ्य सुपरवाइजर तेजवीर सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य कर्मियों ने गांव में नुक्कड़ सभाएं आयोजित कर लोगों को मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों के लक्षण, कारण और बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

निगम चुनाव में 191 पोलिंग बूथों की फाइनल रेंडमाइजेशन प्रक्रिया वीडियोग्राफी सहित पूरी

अंबाला। नगर निगम चुनाव के दृष्टिगत उपायुक्त कार्यालय में सामान्य पर्यवेक्षक एवं अंबाला मंडल आयुक्त संजीव वर्मा, जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त अजय सिंह तोमर व रिटर्निंग अधिकारी एवं अतिरिक्त उपायुक्त विराट की अध्यक्षता में फाइनल रेंडामाइजेशन हुई। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी करवाई गई। उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने बताया कि नगर निगम चुनाव को लेकर 191 बूथ बनाए गए हैं। चुनाव आयोग की हिदायतों की अनुपालना करते हुए एनआईसी द्वारा स्थापित सॉफ्टवेयर के माध्यम से पोलिंग पार्टियों की बूथ वाइज फाइनल रेंडामाइजेशन की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्वक तरीके से संपन्न करवाने के तहत तैयारियां कर ली गई हैं। सुरक्षा की दृष्टि से सभी मतदान केंद्रों पर पुलिस की व्यापक व्यवस्था भी रहेगी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

सदर बाजार चौक पर स्थापित वीर महाराणा प्रताप की मूर्ति का अनावरण

महाराणा प्रताप की प्रतिमा पत्थर नहीं, जीवंत प्रेरणा : अनिल विज

चढ़ चेतक पर तलवार उठा, रखता था भूतल पानी को, राणा प्रताप सिर काट-काट, करता था सफल जवानी को

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

अंबाला। महाराणा प्रताप की मूर्ति का अनावरण करने के बाद तलवार लहराते मंत्री अनिल विज। फोटो : हरिभूमि

ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि अंबाला छावनी के सदर बाजार के मुख्य चौराहे पर वीर महाराणा प्रताप की केवल मूर्ति नहीं लगाई बल्कि यहां सदा जलते रहने वाली एक मशाल जला दी है। यह यहां से गुजरने वाले हर व्यक्ति को देशभक्ति व स्वाभिमान की सदा याद दिलाती रहेगी। विज शनिवार को अंबाला छावनी सदर बाजार चौराहे पर वीर महाराणा प्रताप की मूर्ति के अनावरण के बाद आपार जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महाराणा प्रताप के जयकारे लगाते हुए कहा कि चढ़ चेतक पर तलवार उठा, रखता था भूतल पानी को, राणा प्रताप सिर काट-काट, करता था सफल जवानी को। गौरतलब है कि ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने अपने स्वैच्छिक कोष से 50 लाख रुपए की राशि महाराणा प्रताप की मूर्ति स्थापना के लिए प्रदान किए थे। मूर्ति साढ़े 12 फुट ऊंची, 16 क्विंटल वजनी है जोकि पंच धातु से निर्मित है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने जयपुर से आए मूर्तिकार महावीर भारती को पगड़ी पहनाकर सम्मानित भी किया। उन्होंने कहा कि हमें किताबों में पढ़ाया गया कि अकबर महान था परंतु अकबर तो गुलामी की चाशनी में डूबी हुई लेखनी लिखती थी, महान अकबर नहीं महान महाराणा प्रताप है। उन्होंने कहा कि इतिहास की उन तमाम किताबों को फाड़ डालों जिनपर अकबर महान लिखा है और अपने खून की स्याही से जगह-जगह महाराणा प्रताप महान लिख दो। उन्होंने कहा अम्बाला में स्थापित मूर्ति पर भी महाराणा प्रताप ग्रेट लिखा गया है।

अन्याय के खिलाफ आवाज उठाते थे महाराणा प्रताप

उन्होंने कहा कि आज मेरी जिह्वा धन्य हो गई है कि उन्हें उस महामानव हिंद केसरी महाराणा प्रताप के बारे में बोलने का अवसर मिल रहा है जिसका नाम लेते ही शिराओं में रक्त का संचार तीव्र हो जाता है। वह नाम, जिसने महलों के वैभव को ठुकरा कर जंगलों की खाक छानना स्वीकार किया लेकिन किसी भी विदेशी आक्रांता के आगे अपना मस्तक झुकाना स्वीकार नहीं किया। विज ने कहा यह दिन हमारे लिए एक मूर्ति के अनावरण का दिन नहीं बल्कि यह उस शौर्य, स्वाभिमान और अदम्य साहस के पुनर्जागरण का दिन है जिसने सदियों तक भारत की अस्मिता को बचाए रखा। उन्होंने कहा आज इस चौक पर स्थापित मूर्ति केवल पत्थर या धातु की संरचना नहीं है, यह जीवंत प्रेरणा है उन आंखों के लिए जो सपने देखती है और उन हाथों में लिए जो अन्याय के खिलाफ उठते हैं।

मातृ दिवस विशेष

मां की ममता, उसके प्रेम, उसके समर्पण और उसके त्याग की कोई सीमा नहीं होती है। हर हाल में अपनी संतान का हित, उसके सुख और उसकी खुशी की कामना करने वाली मां की महानता का कितना भी बखान किया जाए कम ही होगा। आइए आज मातृ दिवस के अवसर पर हम सब संकल्प करें कि अपनी मां को हमेशा खुश रखेंगे, उनकी हर इच्छा को पूरा करने का प्रयास करेंगे।

आवरण कथा

सरस्वती रमेश

मां त्याग-प्रेम की मूरत है सबसे अनमोल

प्रकृति की हर कृति अपने आप में अनूठी और अनमोल है। लेकिन मां की बात ही कुछ अलग है। मां को प्रकृति की सर्वश्रेष्ठ कृति कहें तो अतिश्योक्ति न होगी। मां की ममता के समक्ष दुनिया के सारे ऐशो-आराम, स्वर्गीय सुख, चमक-दमक फीके हैं। मां के स्नेह में, ममता में जो सुख, तृप्ति और सुकून होता है, उसे दुनिया की कोई शय नहीं दे सकती। इसीलिए उस शख्स को दुनिया में सबसे खुशनसीब माना जाता है, जिसके सिर पर मां की ममता का साया होता है। सच कहें तो मां की उपस्थिति, स्वर्ग से भी अधिक आलौकिक अनुभूति देती है। मां की इस दिव्यता को, विशेषता को मुनव्वर राणा ने अपने एक शेर में यूं समेटा है-

चलती-फिरती हुई आंखों से अज़ां देखी है
मैंने जन्नत तो नहीं देखी है, मां देखी है।

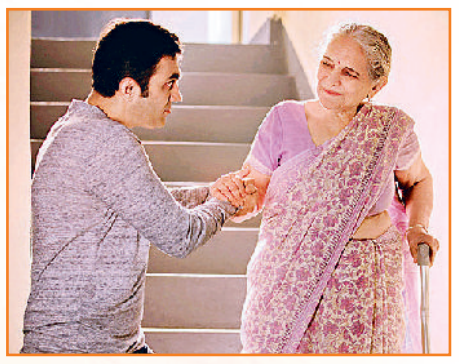

भावनाओं का दरिया है मां: हर मां के हृदय में भावनाओं का दरिया उमड़ता रहता है। यही भावनाएं मां और उसकी संतान के मध्य अनिर्वचनीय रिश्ता कायम करती हैं। एक ऐसा रिश्ता, जिसमें संसार के सभी रिश्तों की तासीर को महसूस किया जा सकता है। एक मां की उसके संतान के प्रति जैसी तड़प, प्रेम, चिंता, समर्पण और त्याग की भावना होती है, ऐसी भावना किसी और रिश्ते-नाते में नहीं देखी जा सकती है। मां अपने बच्चे की सिर्फ जन्मदात्री नहीं होती। वह उसकी प्रथम गुरु, संरक्षक, दोस्त, पालनकर्ता और मार्गदर्शक भी होती है। एक बच्चे को अपनी मां से वह सब कुछ मिलता है, जिसकी उसे वर्तमान में जरूरत है और भविष्य में जरूरत पड़ने की संभावना होती है। वैसे तो बच्चे के इर्द-गिर्द ढेर सारे संबंधों की कतार होती है। लेकिन अपनी मां से उसे जो प्राप्त होता है, उसकी भरपाई दुनिया का कोई भी रिश्ता नहीं कर सकता। नेल्सन मंडेला के शब्दों में कहें तो, 'मां का प्यार सबसे ऊंचा, अशेष और अनपेक्षित होता है।'

रुई के फाहे सा स्नेह: मां का प्यार, उसका स्नेह रुई के फाहे जैसा मुलायम और निर्दोष होता है। वह बच्चे की जरा-सी चोट पर विह्वल होने लगता है। बच्चे को जरा सी भी तकलीफ हो तो मां का मन विचलित होने लगता है। उसका प्यार देखना हो तो उसकी चिंताओं को गौर से देखिए। बच्चे की हर पल की जरूरतों के लिए मां किस हद तक फिक्रमंद होती है। उसकी दिनचर्या का निर्धारण बच्चे की जरूरतों के हिसाब से तय होता है। यहां तक कि उसके सोने-जागने का भी। एक लड़कोरी (नवजात की मां) की नींद कभी पूरी नहीं हो पाती। वो टुकड़ों-टुकड़ों में सोती हैं। बच्चे की रोने की एक आवाज पर अपने खाने की थाली सरका कर उसे पहले दूध पिलाती है। बीमार बच्चे की देख-रेख करने में तो मां अपनी भूख, प्यास, नींद तक बिसरा देती है।

कामयाबी के पीछे मां की भूमिका: किसी इंसान की कामयाबी में उसकी मां की भी भूमिका होती है। ज्यादातर सफल और महान लोगों की कामयाबी के पीछे उनकी मांओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। दुनिया में ऐसे बेशुमार उदाहरण हैं। अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपने संस्मरण में अपनी मां की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में लिखा है,'मेरी मां ने मुझे शिक्षित करने और मेरे भीतर आत्मविश्वास भरने के लिए बहुत मेहनत की। दिन में वह काम पर जाती थीं, इसलिए भोर में चार बजे उठकर मुझे पढ़ाती थीं। हमारी जिंदगी के तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद, मेरी मां ने मुझे हर पल खास महसूस कराया।' ऐसा ही एक और उदाहरण महान वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिसन के जीवन में भी देखा जा सकता है। उनके महान आविष्कार को सारी दुनिया जानती है। मगर बहुत कम लोगों को पता होगा कि जब वह छोटे थे, तो आम बच्चों की तरह समझदार नहीं थे। उनके अध्यापक उन्हें हमेशा मंदबुद्धि कहते थे। जब उनकी मां, नैंसी को यह बात पता लगी तो वो उन्हें स्कूल से निकाल लाईं और घर पर ही पढ़ाने लगीं। कई साल बाद एडिसन ने अपनी डायरी में लिखा, 'मेरी मां ने ही मुझे बनाया। वह बहुत सच्ची थीं। मुझ पर अथाह भरोसा करती थीं। उनके स्नेह को पाकर मुझे लगा कि मेरे पास भी जीने की कोई वजह है। उन्हें मैं निराश नहीं कर सकता था।'

एक मंदबुद्धि बच्चा एक मां के संकल्प, हौसले और स्नेह की बदौलत उस सदी का जीनियस बन गया। उस मां ने अपने मंदबुद्धि बेटे से घृणा नहीं की। उससे प्रेम किया और उस पर विश्वास किया। मां के स्नेह और विश्वास में चमत्कारिक शक्ति होती है, जो संतान के जीवन को संवार देती है। कामयाबी की ऐसी लाखों कहानियां हैं, जिनके पीछे एक मां का यही विश्वास और अथाह प्रेम है।

मां कभी नहीं बदलती: दुनिया पल-पल बदलती रहती है, लेकिन मां जैसी सदियों पहले हुआ करती थीं, अब भी वैसी ही होती हैं। यानी सदियां गुजर गईं लेकिन अपनी संतान के प्रति मां का प्यार, लगाव और समर्पण बरकरार है। अपने बच्चों को सीने से लगाने वाली, आंचल में सहेजने वाली, उनकी सुरक्षा के लिए ढाल बन जाने वाली और उनकी हर गलती को क्षमा कर देने वाली मां की ममता का मोल नहीं है। लेकिन दुःखद है कि आधुनिकता, स्वार्थी सोच के प्रभाव में कई संतानों का व्यवहार अपनी मां प्रति बदल जाता है।

सोचने वाली बात है कि आखिर जब सदियों में मांओं का अपनी संतान से जुड़ाव नहीं बदला तो संतानों का व्यवहार मां के प्रति क्यों बदल गया? ऐसा क्या हो गया कि सभ्यता के विकास ने हमें ऐसी तहजीब सिखाई, जिसने मां का सम्मान करना भुला दिया? दरअसल, सच यह है कि विकास की चकाचौंध में हम निहायत आत्मकेंद्रित और स्वार्थी होते गए हैं। हम मां की ममता जैसे अमूल्य भाव का सम्मान करना भी भूल गए।

मदर्स-डे की महत्ता: संतोष की बात है कि हमारी इस गलती का एहसास कराने के लिए, जीवन में अपनी मां की महत्ता को याद दिलाने के लिए वर्ष में एक दिन मुकर्रर किया गया है। जिसे हम मदर्स-डे के नाम से मनाते हैं। हालांकि मां अपने बच्चों से हर दिन प्रेम, सम्मान व आत्मीयता की हकदार है। बुढ़ापे में जब उसकी हड्डियां कमजोर पड़ जाती हैं, नजर धुंधली हो जाती है और हाथ कांपने लगते हैं, तब उसे अपने बच्चों का साथ व सहारे की जरूरत होती है। ऐसे में मदर्स-डे हमें 'मां' की उस अमूल्य ममता की याद दिलाता हैं। तो आज मदर्स-डे मनाते हुए हम जरूर संकल्प करें कि हम मां को भरपूर प्यार सम्मान न केवल आज, हर दिन देंगे। उसके चेहरे पर मुस्कान लाने का हर संभव प्रयास करेंगे। *

अनुभूति / डॉ. ऋतु सारस्वत

मां के नाम बेटे की पाती

मां अपने बच्चों को केवल पालती-पोसती ही नहीं, बहुत सरल-सहज तरीके से उसके भीतर संस्कारों के बीज भी रोप देती है। इसका एहसास कई बार वर्षों बाद बच्चे को होता है। अपनी मां के प्रति एक बेटा ऐसी ही भावानुभूतियां पत्र के जरिए यहां व्यक्त कर रहा है।

मेरी प्यारी मां

जीवन में पहली बार आपको कुछ लिखकर भेज रहा हूं। सच कहूं तो समझ में नहीं आ रहा कि कहां से शुरुआत करूं? न जाने कितनी बार लिखा और मिटाया है, हर बार लगता है कि मेरे पास कहने के लिए हजारों शब्द हैं, पर उन्हें एक-दूसरे से जोड़ ही नहीं पा रहा। पता है मां, आज मैं बाजार गया था। पढ़ते-पढ़ते थक गया था, सोचा यूं ही थोड़ा घूम लूं। तभी मेरी नजर एक दुकान में रखे बिंदी के छोटे से पैकेट पर पड़ी और मैंने बिना कुछ सोचे ढेर सारी बिंदियां खरीद लीं। जैसे ही उन्हें हाथों में लिया, यूं महसूस हुआ जैसे आपके ममतामयी हाथ मुझे स्पर्श कर रहे हों। आपकी मुस्कुराहट मेरी आंखों के सामने घूमने लगी और मन किया कि दौड़कर आऊं और आपको जोर से गले लगा लूं। मां , आपकी बहुत याद आ रही है। मां, मुझे आज भी याद है, जब भी आप कहीं बाहर से लौटकर घर आती थीं, तो मैं दौड़कर आपकी गोद में चढ़ जाता था। सबसे पहले आपके माथे से आपकी बिंदी उतार देता था। आप हैरान होकर पूछती थीं- 'बेटा, ऐसा क्यों करते हो?' मैं मासूमियत से कह देता था- 'अगर आपके माथे पर बिंदी लगी रही, तो आप फिर से बाहर चली जाओगी' आप मुस्कुरा देती थीं। मैं आपके और करीब सिमट जाता था। पर मां, बिंदी की यह कहानी यहीं तक नहीं थी। एक दिन मैं बहुत गुस्से में स्कूल से घर लौटा था, क्योंकि मेरी गलती न होने पर भी मेरी टीचर ने मुझे बहुत डांटा था। गुस्से में मैंने कह दिया, 'मेरी टीचर बहुत गंदी है' आपने तुरंत मुझे रोका और समझाया कि बड़ों के लिए ऐसे शब्द नहीं बोलते। फिर आपने मुस्कुराकर कहा, 'और अगर शिकायत करनी भी है, तो कम से कम 'बिंदी' तो लगा लो ' आपकी यह बात सुनकर मैं टकटकी लगाकर आपको देखने लगा और मासूमियत से पूछ बैठा, 'तो क्या मां, मुझे किसी की शिकायत करने के लिए खुद बिंदी लगानी होगी?' आप मेरी बात सुनकर हंस-हंसकर लोट-पोट हो गईं और फिर बोलीं, 'अरे बुद्धू, मैं तुम्हें बिंदी लगाने के लिए नहीं कह रही और तुम बिंदी लगाओगे भी कैसे, तुम तो अभी छोटे से बच्चे हो।' मैंने भी तुरंत कहा, 'मां, मैं छोटा तो हूं ही पर मैं तो लड़का हूं, मैं बिंदी कैसे लगा सकता हूं!' मेरी यह बात सुनकर आप फिर जोर-जोर से हंसने लगीं और मैं थोड़ा खिसियाकर बोला, 'मां, प्लीज बताओ ना' तब आपने बड़े प्यार से समझाया, 'देखो, 'है' के ऊपर जब बिंदी लगती है, तो वह 'हैं' बन जाता है, और बड़ों के लिए हमेशा हमें सम्मानजनक शब्दों का इस्तेमाल करना चाहिए। 'वह आ रही है' हम अपने किसी दोस्त के लिए कह सकते हैं, लेकिन अगर किसी बड़े के लिए कहना हो, तो हमें कहना चाहिए 'वह आ रही हैं।' और ऐसे ही न जाने आपने मुझे कितने उदाहरण देकर समझाया।

मां, पता नहीं आपके शब्दों में क्या जादू था कि उसके बाद मैं कभी यह 'बिंदी' लगाना भूल ही नहीं पाया। मेरी हर बात में, हर संबोधन में अनजाने में ही वह सम्मान जुड़ता चला गया। आपकी यह 'बिंदी' सच में कमाल की है। मां , यह मुझे बहुत बार बिल्कुल अजनबियों के भी करीब ले आती है। हमारे कॉलेज के चौकीदार भैया हों या कमरे में सफाई करने वाली आंटी जब भी मैं उनसे आदर से बात करता हूं, उनके चेहरे पर जो मुस्कुराहट आती है, वह मेरे मन को एक अलग ही सुकून देती है। एक दिन आंटी ने कहा, 'भैया, आप बहुत अच्छे हैं' और उनके ये शब्द सुनकर मुझे ऐसा लगा जैसे तेज गर्मी में अचानक बारिश हो गई हो। मां, मैं बहुत दिनों से आपको यह बताना चाह रहा था कि आपकी यह 'बिंदी' सचमुच बहुत अच्छी है पर कभी मौका ही नहीं मिला। आज जब इस बिंदी के छोटे से पैकेट को हाथ में लिया, तो लगा जैसे किसी ने मेरे हाथ में कलम थमा दी हो और जो बातें इतने दिनों से मन में थीं, वे अपने आप शब्द बनकर बहने लगीं। मां, सच कहूं आपकी यह 'बिंदी' सिर्फ आपके माथे पर लगकर आपको सुंदर नहीं बनाती बल्कि यह मेरे जीवन का सबसे खूबसूरत संस्कार बन गई है, जो हर रोज मुझे एक बेहतर इंसान बनने की राह दिखाती है।

थैंक यू सो मच मां!

-आपका बेटा

गजल / डॉ. ओम निश्चल

मां का प्यार

तुम से लिपट कर सो जाऊं मां
तो दुनिया का सुख पाऊं मां।
गोद तुम्हारी ममता का गढ़
कैसे इसको झुठलाऊं मां।
पुलकित दृष्टि तुम्हारी देखूं
आंखों में ही खो जाऊं मां।
चुपके-चुपके जो गाती हो
उस रुनझुन पर बलि जाऊं मां।
मां का प्यार अलौकिक होता
किस-किस को यह बतलाऊं मां।
मुझे छुपा लो अब आंचल में
इसी सृष्टि में रम जाऊं मां।

एआई इमेज

लघुकथाएं

स्वाद मां के हाथों का

मां के हाथ के गट्टे की सब्जी का जवाब ही नहीं!' मुंह में एक कौर डालते हुए शोभा के पति राकेश बोल पड़े।

'मैं कितना भी अच्छा खाना बना लूं, पर पता नहीं क्यों इनके मुंह से मेरी प्रशंसा के एक शब्द भी नहीं निकलते?' यह सोचकर शोभा के मन में कहीं ना कहीं अपनी सासू मां के प्रति ईर्ष्या के भाव बने रहते। उसकी सासू मां इन बातों से अनभिज्ञ आए दिन अपने बेटे के लिए नए-नए पकवान बनाती रहतीं। एक बार शोभा के पिताजी की तबियत ज्यादा खराब हो गई। आनन-फानन में वह मायके चली गई। अपने आठ वर्षीय बेटे को भी साथ नहीं ले जा पाई, क्योंकि उसके एग्जाम चल रहे थे। करीब दस दिन वह अपने मायके में रही। पिताजी की तबियत में सुधार होते ही वह अपने घर लौट आई। जैसे ही वह घर आई, उसका बेटा उससे लिपट गया और बड़ी ही मासूमियत से बोला, 'मम्मा आप इतने दिनों के लिए क्यों चली गई थीं? मुझे दादी के हाथ का खाना बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगता था।' 'वो क्या है न बहू, बच्चों को अपने मां का हाथ का खाना ही अच्छा लगता है, क्योंकि बच्चा शुरू से ही अपनी मां के हाथ का खाना ज्यादा खाता है। इसलिए उसके मुंह में वहीं स्वाद चढ़ जाता है। इसके अलावा मां का स्नेह और अपनापन भी तो उस खाने में शामिल होता है।' उसकी सासू मां ने सहज स्वर में कहा। 'इतनी छोटी-सी बात वह कैसे नहीं समझ पाई और बेवजह मां-बेटे से हमेशा चिढ़ती रही।' शोभा मन ही मन में बोली। शोभा के पति उसकी भाव-भंगिमा देखकर उसके अंदर चल रहे भावों को भांप गए। इसलिए उसे देखकर मुस्कुराते हुए बोले, 'तुम भी बहुत अच्छा खाना बनाती हो, वो तो मैं तुम्हें चिढ़ाने के लिए तुम्हारे सामने मां की तारीफ करता रहता हूं।' 'अच्छा...जाइए मैं आपसे बात नहीं करूंगी।' कहकर वह गुस्से में अपने कमरे में चली गई। इस पर राकेश भी उसे मनाने के लिए उसके पीछे-पीछे कमरे में पहुंच गए। *

-शीला श्रीवास्तव

पैसे हैं पर मां नहीं

साहब, मेरी पासबुक देखकर बताइए, क्या खाते में पैसे आए हैं?' बूढ़ी महिला ने गिड़गिड़ाते हुए बैंक क्लर्क प्रमोद से विनती की। 'मांजी, आप से कितनी बार कहा कि आपके खाते में बैलेंस ही नहीं है!' प्रमोद झुंझला कर बोला। 'साहब, मैं बहुत गरीब हूं। खाने-पीने के भी पैसे नहीं हैं। मेरा बेटा हर महीने मुझे तीन हजार रुपए भेजता है।' बूढ़ी औरत रोते हुए बोली। 'भेजता रहा होगा, लेकिन पिछले तीन महीनों से उसने एक भी रुपया नहीं भेजा है, माता जी। मैं आपको पैसे कहां से दे दूं?' प्रमोद झल्लाते हुए बोला। उसकी तेज आवाज सुनकर मैनेजर रूपांग मेहता ने अपने केबिन से बाहर आकर पूछा, 'क्या बात है प्रमोद, मांजी को क्या परेशानी है?' 'सर, ये मांजी रोज आकर बैलेंस चेक करने को कहती हैं। इनके खाते में पैसा ही नहीं है, मैं क्या करूं?' प्रमोद ने जवाब दिया। मेहता साहब ने बूढ़ी महिला की ओर देखा। लगभग सत्तर साल की उस महिला की फटी साड़ी, टूटा चश्मा और हाथ में लाठी, उनकी गरीबी को बयां कर रही थी। 'मांजी, आप रोज क्यों आती हैं?' मेहता साहब ने पूछा। वह बूढ़ी महिला बोली, 'मेरा नाम सविता है साहब। दस साल पहले मेरे पति की शराब पीने की वजह से मौत हो गई थी। मैंने चार घरों में काम करके अपने बेटे मयंक को पढ़ाया और उसे कंप्यूटर इंजीनियर बनाया। पिछले साल उसकी शादी हुई और अब वह बेंगलुरु में नौकरी करता है। वह हर महीने तीन हजार रुपए भेजता था, लेकिन तीन महीने से खाते में पैसे आ ही नहीं रहे है। लगता है शायद पैसे गलती से किसी और खाते में जा रहे होंगे। मेरे पास दवा और खाने के भी पैसे नहीं हैं। आंखों में भी मोतियाबिंद है, काम भी नहीं हो पाता।' यह कहते हुए सविता रो पड़ी। मेहता साहब का दिल भर आया। उन्होंने पूछा, 'क्या आप के पास बेटे का नंबर है?' सविता ने एक मुड़ा-तुड़ा कागज उनकी ओर बढ़ा दिया। मेहता साहब ने उस नंबर पर फोन लगाया। दूसरी ओर से फोन उठा तो वह बोले, 'हैलो, मयंक से बात करवा दीजिए।' दूसरी तरफ से किसी महिला ने पूछा, 'मैं उनकी पत्नी माया बोल रही हूं, मयंक बाहर गए हैं। आप कौन बोल रहे हैं?' 'मैं बिलासपुर से बैंक मैनेजर रूपांग मेहता बोल रहा हूं। आपकी सास यहां आई हुई हैं, मयंक ने तीन महीने से उन्हें पैसे नहीं भेजे क्या?' 'अरे सर, कब तक पैसे भेजते रहेंगे उनको? हमारी भी जरूरतें हैं। हम लोग सिंगापुर घूमने का प्लान बना रहे हैं।' माया ने बेरुखी से कहा। 'लेकिन मांजी के पास खाने और दवा के पैसे भी नहीं हैं!' मेहता साहब थोड़ा तल्खी से बोले। 'तो हम क्या करें? क्या हमने उनका ठेका ले रखा है? कहीं भी चली जाएं, किसी वृद्धाश्रम में क्यों नहीं चली जातीं?' इतना कहकर माया ने फोन काट दिया। यह सुनकर मेहता साहब स्तब्ध रह गए। कैसे बेटे-बहू हैं? उन्होंने माताजी से बिना कुछ कहे अपने खाते से तीन हजार रुपए निकाले और सविता को देते हुए कहा, 'लो मांजी, आपके बेटे ने पैसे भेज दिए हैं।' सविता की आंखों में खुशी के आंसू छलक उठे, 'भगवान आप का भला करे।' कह कर वह रो पड़ी। 'अब आप का बेटा हर महीने पैसे भेजेगा।' मेहता साहब बोले। सविता खुश होकर चली गई। उनके जाने के बाद प्रमोद ने आश्चर्य से पूछा, 'सर, आपने अपने पास से पैसे दे दिए?' मेहता साहब भावुक होकर बोले, 'मैं भी गरीब परिवार से हूं। मेरे पिता की मृत्यु के बाद मेरी मां ने मजदूरी करके मुझे पढ़ाया। मैं सोचता था कि जब पैसे कमाऊंगा तो मां के सारे सपने पूरे करूंगा। लेकिन सात साल पहले जब मेरी नौकरी लगी तभी मेरी मां चल बसीं। जब मां थी, तब पैसे नहीं थे और आज पैसे हैं, पर मां नहीं हैं। इसीलिए इस मां की बेबसी मुझसे देखी नहीं गई।' *

-वीरेंद्र बहादुर सिंह

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

ताकि बचा रहे आदमीपन

हाल में युवा कवयित्री रूपम मिश्र का दूसरा कविता संग्रह 'हंसी और देस' प्रकाशित होकर आया है। ये कविताएं हमारे समय, समाज और देश की तमाम स्याह-श्वेत छवियां उजागर करती हैं। देशज भाषा के रचाव और लोकजीवन के राग ने इन कविताओं के निहितार्थ को और भी प्रभावी बना दिया है। *'जीत के आसार न देखते हुए भी लड़ना/ लड़ाई की परंपरा को जिंदा रखना था।'* जैसी पंक्तियां उस सतत संघर्ष को प्रतिबिंबित करती हैं, जो आदमीपन को बचाए रखने के लिए जरूरी है। यहां स्त्री विमर्श की कोरी नारेबाजी नहीं, सदियों पुरानी उस कंडीशनिंग की पड़ताल की गई है, जिसने स्त्रियों के एक वर्ग को चेतनाशून्य बनाकर हर हाल में पुरुषों की सेविका बनने को बाध्य कर रखा है। *'जो मार खा लेती हैं फिर उठकर उन्हीं मर्दों के लिए सबसे अच्छा अचार/सबसे ज्यादा स्वाद वाली सब्जी बना देती हैं।'* प्रेम को भी रूपम, बनी-बनाई परिभाषा से इतर बिल्कुल अलग भावभूमि पर उतरकर महसूसती और व्यक्त करती हैं। इसकी बानगी *'हमने देखा एक-दूसरे को ऐसे जैसे/भूख की यातना में जिया मनुष्य रोटी को देखता हो।'* जैसी पंक्तियों में देखी जा सकती है। *

पुस्तकः हंसी और देस (कविता संग्रह), **लेखिकाः** रूपम मिश्र,
मूल्यः 250 रुपए, **प्रकाशकः** लोकभारती पेपरबैक्स, प्रयागराज

नैसर्गिक सौंदर्य से समृद्ध खूबसूरत देश किर्गिस्तान

घूमना किसे अच्छा नही लगता! खासकर जब नैसर्गिक सौंदर्य से समृद्ध देश में जाने का अवसर मिले। मध्य एशिया में स्थित किर्गिस्तान ऐसा ही एक छोटा सा और बेहद खूबसूरत देश है। हाल में एक सप्ताह की किर्गिस्तान यात्रा से लौटीं लेखिका वहां के अनुभव साझा कर रही हैं अपनी जुबानी।

ट्रैवलॉग

सोनल भारद्वाज

आमतौर पर कहा जाता है कि दुनिया में यदि कहीं स्वर्ग है तो वह देश है स्विटजरलैंड। वैसे हमारा कश्मीर भी कौन सा कम है! लेकिन किस्मत से हाल में हमें एक नए स्वर्ग से रूबरू होने का अवसर मिला, जिसे किर्गिस्तान के नाम से जाना जाता है। इसे मध्य एशिया का स्विटजरलैंड कहते हैं। इस देश का 90 प्रतिशत इलाका पहाड़ी है, जबकि मात्र 10 प्रतिशत आवासीय। 7.50 मिलियन आबादी वाला यह देश सोता कम है, जागता ज्यादा है क्योंकि यहां सूरज शाम 7.30 से 8 के बीच ढलता है।

साफ-सुथरा शहर राजधानी बिश्केक: जब हमारी फ्लाइट ने किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक के एयरपोर्ट में लैंड किया तो वहां का मौसम बड़ा खुशगवार दिखा। तापमान मात्र आठ डिग्री। बारिश ने हमारा वहां स्वागत किया। अकसर अप्रैल-मई के महीने में वहां बारिश होती है। हल्की ठंड और बारिश की वजह से अप्रैल के महीने में हमें जुलाई-अगस्त का अनुभव हुआ।

एयरपोर्ट से बाहर जिस टैक्सी पर हम बैठे, उसका चालक थोड़ी-बहुत इंग्लिश जानता था, तो हमारा काम आसान हो गया। वैसे वहां के लोग भारतीय फिल्म कलाकारों के बहुत दीवाने हैं। टैक्सी ड्राइवर न केवल थोड़ी-बहुत हिंदी भी बोल ले रहा था बल्कि उसकी टैक्सी में भारतीय फिल्मों के गाने भी बज रहे थे, जिसे हम भी गुनगुनाने लगे।

परिश्रमी-अनुशासित लोग: बिश्केक में घूमने के दौरान हमने महसूस किया कि किर्गिस्तान के नागरिक मेहनती, अनुशासित और स्वच्छता-पसंद हैं। वे ट्रैफिक नियमों का पूरा पालन करते हैं, यही वजह रही है कि हमने जहां एक तरफ गाड़ियों की कतारें देखीं लेकिन कोई हॉर्न बजाता नहीं सुना। व्यस्ततम सड़कों पर जहां एक तरफ गाड़ियों के काफिले थे तो उसी रोड पर बच्चों को बेहिचक साइकिलिंग करते भी देखा। 4 से 5 साल तक के बच्चे भी आराम से सड़कों पर साइकिल पर घूमते मस्ती करते हुए दिखे, क्योंकि सब ट्रैफिक रूल का पालन करते हैं। इसलिए वहां दुर्घटना की संभावना भी काफी कम रहती है। वहां पार्कों में बहुत शांति, धैर्य के साथ ज्यादातर महिला पुरुष अपने छोटे-छोटे बच्चों के साथ बैठे बात करते नजर आते हैं। सड़क के बीचों-बीच पार्कों में चहलकदमी करना इस देश के लोगों को खूब पसंद है। बिश्केक शहर साफ-सुथरा दिखता है, इसकी बड़ी वजह है यहां किसी को गंदगी फेंकते या थूकते हुए देखे जाने पर पांच हजार रुपए का जुर्माना लगता है। शहर में कई बाग-बगीचे हैं। स्थानीय नागरिक इनका उपयोग टहलने, मनोरंजन करने और जॉगिंग करने में करते हैं।

तियान शान पर्वतमाला में स्थित इसिक कूल झील

दुनिया की सबसे बड़ी प्राइवेट मेडिकल यूनिवर्सिटी: एयरपोर्ट से होटल पहुंचने तक राजधानी बिश्केक की खूबसूरती के हमने कई नजारे देखे। भारतीय दूतावास पर अपना राष्ट्र ध्वज तिरंगा लहराते देखना, हमारी यात्रा का सबसे गौरवशाली दृश्य था। गीत याद आ गया, 'ऐ देश मेरे, तेरी शान पे सदके...।' कुछ ही देर में हम होटल पहुंच गए। चेकइन करने, फ्रेश होने के बाद हम इंटरनेशनल हायर स्कूल ऑफ मेडिसिन संस्थान (आईएचएसएम) के परिसर की ओर निकल पड़े। बताते चलें कि हम किर्गिस्तान, शैक्षणिक भ्रमण पर गए थे। रूस और किर्गिस्तान, विश्वस्तरीय शिक्षा संस्थान के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। इन्हीं में से एक इंस्टीट्यूट है आईएचएसएम। संस्थान के प्रबंधन ने हमारा स्वागत किर्गिस्तानी रिवाज से किया। स्थानीय युवाओं ने हमें लोकल फोक म्यूजिक 'अलदशपा' सुनाया तो हम सब झूम उठे। हमारी टीम ने वहां पर अध्ययनरत भारतीय विद्यार्थियों से देर तक मुलाकात की। इस संस्थान में भारतीय छात्रों के अलावा, अमेरिका, रूस, जॉर्जिया, चीन, पाकिस्तान जैसे देशों से छात्र एमबीबीएस करने आते हैं, क्योंकि चिकित्सा शिक्षा यहां पर ज्यादा सस्ती और सरल है। आईएचएसएम, किर्गिस्तान में सन 2003 में स्थापित प्राइवेट इंस्टीट्यूट्स में सबसे बड़ा संस्थान है। यहां कैंपस का माहौल, खान-पान, भाषा और संस्कृति, पूरी तरह हिंदुस्तानी परिवेश जैसा लगता है।

इसिक कूल झील-तियान शान पर्वतमाला: आईएचएसएम देखने के बाद हम तियान शान पर्वतमाला के विशाल पहाड़, दुनिया की सबसे ऊंचाई वाले इलाके में स्थित इसिक कुल झील और मनमोहक घाटियां देखने, वहां की सांस्कृतिक विरासत को महसूस करने के लिए लालायित थे। ऊंची पर्वतमालाओं के बीच टेढ़े-मेढ़े रास्तों से गुजरते हुए लगभग 4.30 घंटे के सफर के बाद हम इसिक कूल झील पहुंच गए। किर्गिज भाषा में इसीक्कुल का अर्थ होता है 'गरम झील' जो उत्तर-पूर्वी किर्गिस्तान में, तियान शान पर्वतमाला के बीचों-बीच स्थित है। यह कैस्पियन सागर के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी खारे पानी की झील है। यह झील, गहराई के मामले में भी दुनिया में सातवें नंबर पर आती है। ऐतिहासिक प्रमाण बताते हैं कि झील की गहराई में 2,500 साल पुराने एक प्राचीन शहर के अवशेष मिले हैं, जो कभी सिल्क रूट (रेशम मार्ग) का एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र था। झील के अलावा यह क्षेत्र अपने क्रिस्टल-क्लियर पानी, बर्फ से ढंकी चोटियों, पैरासेलिंग व ट्यूबिंग जैसी रोमांचक गतिविधियों के लिए भी प्रसिद्ध है। हमने यहां काफी देर रुककर तियान शान और पामीर-अलाई पर्वतमालाओं के भी दर्शन किए। किर्गिज नागरिक प्रकृति से बेहद प्यार करते हैं इसलिए उन्होंने जंगल, पहाड़, नदियों को बचाए रखा है। यही नहीं स्थानीय नागरिकों के आवास भी हरियाली से सजे दिखाई देते हैं।*

भारतीय व्यंजनों का मिला आनंद

किर्गिस्तान का खान-पान पूरी तरह मांसाहार पर केंद्रित है, लेकिन राजधानी बिश्केक में 4 से 5 इंडियन रेस्टोरेंट भी हैं, जो भारतीयों द्वारा ही संचालित किए जा रहे हैं। यहां खाना बनाने वाले शेफ भी भारत से ही बुलाए गए हैं, ताकि भारतीय स्वाद यहां आने वाले छात्रों और अन्य लोगों को मिल सके। यहां पाकिस्तानी नागरिक भी काफी संख्या में हैं। किर्गिस्तान में ड्राय फ्रूट्स और फ्रूट्स बहुत अच्छी क्वालिटी के मिलते हैं, क्योंकि यहां की जमीन में लोग केमिकल उर्वरकों का इस्तेमाल नहीं करते हैं। किर्गिस्तान मूल रूप से मुस्लिम कंट्री है, लेकिन यह मुस्लिम देश होते हुए भी यह महसूस ही नहीं होने देता कि किसी एक परंपरा या धर्म से बंधा हो। किर्गिस्तान में महिला और पुरुष को समान दृष्टि से देखा जाता है, सभी को बराबरी का हक है। स्थानीय बाजारों में महिलाएं व्यापार करती खूब दिखाई देती हैं। अपनी यात्रा के अनुभव के आधार पर हम कह सकते हैं कि केवल नैसर्गिक सौंदर्य के मामले में ही नहीं महिला अधिकार और स्वतंत्रता के मामले में भी दुनिया के लिए किर्गिस्तान, आदर्श देश माना जा सकता है।

सेल्फ इंप्रूवमेंट

नरेंद्र कुमार

वर्कप्लेस कोई भी हो एंप्लॉई की इंपॉर्टेंस उसके वर्किंग स्टाइल और उसके बिहेवियर से तय होती है। अगर आप भी चाहते हैं कि वर्कप्लेस पर आप सबसे इंपॉर्टेंट एंप्लॉई माने जाएं तो आपको यहां बताए जा रहे सजेशंस को फॉलो करना होगा।

फॉलो करें ऐसी वर्किंग स्टाइल ऑफिस में बढ़ाएं अपनी इंपॉर्टेंस

हर वर्किंग प्रोफेशनल की यह चाहत होती है कि ऑफिस में उसकी इमेज, उसकी वैल्यू दूसरों से अच्छी हो। इंपॉर्टेंट एंप्लॉइज में उसकी गिनती हो। इंपॉर्टेंट एंप्लॉई बनने के लिए खुद को ऐसा बनाएं कि आपके बिना काम स्मूदली न हो पाए या कोई भी जरूरी फैसला लेते समय आपको उसमें शामिल करना जरूरी हो जाए। याद रखिए, यह पोजीशन किसी को खुद ब खुद नहीं मिल जाती बल्कि इस स्थिति में पहुंचने के लिए स्मार्ट और समझदारी से काम करना होता है। इसके अलावा आपमें कुछ क्वालिटीज का होना भी जरूरी है।

रिप्लेसेबल से इरिप्लेसेबल बनिए: हर दफ्तर के दो तरह के एंप्लॉई होते हैं, एक जो केवल अपना काम करते रहते हैं। दूसरे ऐसे एंप्लॉई जिनके बिना ऑफिस के कई काम अटक जाते हैं, कोई बड़ा फैसला नहीं लिया जा सकता है। आपको यह दूसरा कर्मचारी बनना है ताकि आपकी गिनती ऑफिस के सबसे महत्वपूर्ण एंप्लॉइज में हो। ऐसा बनने के लिए आपको कुछ बातें अमल में लानी चाहिए। जैसे दफ्तर में आपका जो दायित्व है, उसके एक्सपर्ट बन जाएं। ऐसी स्किल में कमांड हासिल करें, जो ऑफिस में दूसरे लोगों के पास न हो। ।

प्रॉब्लम सॉल्वर बनिए: दफ्तर में अधिकतर लोग समस्या बताने में माहिर होते हैं। लेकिन इंपॉर्टेंट एंप्लॉई उसे माना जाता है, जो बॉस को प्रॉब्लम तो बताए, साथ ही यह भी कहे कि इस प्रॉब्लम को कैसे सॉल्व किया जा सकता है। हर बॉस को अपने अंडर ऐसे सहयोगी चाहिए होते हैं, जो केवल प्रॉब्लम्स के बारे में ही न बताए, पर उन गलतियों को हल करने की काबिलियत भी रखे। अगर आपको ऑफिस में इंपॉर्टेंट बनना है तो प्रॉब्लम सॉल्वर बनिए, न कि प्रॉब्लम रिपोर्टर।

जिम्मेदार बनिए: जो भी काम आपको मिले, उसे जिम्मेदारी से पूरा करें। उसे न करने या टालने के बहाने न बनाएं। तय समय सीमा के भीतर अगर काम नहीं होता, तो काम करने का भी कोई महत्व नहीं रह जाता है। इसलिए डेडलाइन के भीतर काम पूरा करने की आदत डालें।

काम दिखना भी चाहिए: यह सच है कि अगर आप दिखेंगे नहीं, तो आप महत्वपूर्ण भी नहीं माने जाएंगे। इसलिए काम करें और दफ्तर में महत्वपूर्ण समय पर मौजूद रहें। अपने किए हुए काम की अपडेट उन लोगों तक पहुंचाएं, जिनको आपके द्वारा किए गए काम से मतलब है। बॉस के साथ होने वाली मीटिंग में बोलें और अपनी बात को संक्षिप्त और स्पष्ट तरीके से सबके सामने रखें। वैल्यू और विजिबिलिटी मिलकर ही किसी एंप्लॉई को उसके वर्कप्लेस में महत्वपूर्ण बनाती है।

बॉस के 'गो टू पर्सन' बनिए: हर दफ्तर में एक या दो लोग ऐसे होते हैं, जिन पर बॉस आंख मूंदकर भरोसा करते हैं, क्योंकि जब-जब मौका मिला, उन्होंने खुद को इसके लायक सही साबित किया होता है। बॉस का 'गो टू पर्सन' बनना मुश्किल नहीं है, सिर्फ करना यह होता है कि बॉस द्वारा दिए गए काम को समय पर, साफ-सुथरे ढंग से और परफेक्ट तरीके से करें ताकि बॉस के काम को आप आसान बना सकें।

अपने संवाद कौशल को बढ़ाएं: अगर दफ्तर का महत्वपूर्ण कर्मचारी बनना है तो संवाद कला में माहिर होना भी जरूरी है। बात साफ और संक्षिप्त करें। अपने ई-मेल और मैसेज प्रोफेशनल रखें। लोगों को कोई बात समझानी हो तो इस तरह समझाएं कि उन्हें आसानी से आपकी बात समझ में आ जाए। अगर आपमें यह क्षमता है, तो आप निश्चित ही अपने वर्कप्लेस के महत्वपूर्ण एंप्लॉई हैं।

लोगों से कनेक्ट रहें: प्रोफेशनल लाइफ में भी पर्सनल कनेक्शन बनाना जरूरी होता है। जहां भी रहें, वहां हमेशा महत्वपूर्ण लोगों के साथ अपना एक कनेक्ट डेवलप करें। अगर किसी कंपनी के एक विभाग में काम कर रहे हैं, तो अन्य विभाग के कुलीग्स से भी कनेक्ट करें। ये कुछ ऐसे गुण हैं, जिनके होने पर आप अपने दफ्तर के महत्वपूर्ण कर्मचारी बन जाएंगे।*

आज के डिजिटल दौर में रिश्तों की दूरियां कम करने में तकनीक की बड़ी भूमिका हो गई है। तकनीक, मां और उनके दूर रह रहे बच्चों के बीच संवाद को भी नया आयाम दे रही है। इसके विविध पहलुओं पर एक नजर।

डिजिटल दौर में मिल रहा मां-बच्चे के रिश्ते को नया आयाम

टेक्नो-इंपैक्ट

नम्रता नदीम

एक समय था, जब मां की आवाज घर के आंगन से आती थी, रसोई से आती थी, दरवाजे के पार वाली देहरी से आती थी और चेहरे की झलक से ही सारे स्नेह की भाषा पढ़ ली जाती थी। आज बच्चे पढ़ाई के लिए, नौकरी या बेहतर अवसरों की तलाश में, घर से दूर दूसरे शहर या दूसरे देशों में भी रह रहे हैं। ऐसे में मांएं अपने बच्चों से आधुनिक संचार तकनीक के जरिए ही जुड़ी होती हैं। ऐसे ही तकनीकी साधनों में व्हाट्सएप, वीडियो कॉल और सोशल मीडिया के तमाम दूसरे माध्यम उपलब्ध हैं।

डिजिटल युग में रिश्तों का नया आयाम: आज तकनीक बदल गई है, जीवन जीने का ढंग बदल गया है। डिजिटल युग ने रिश्तों को एक नया आयाम दिया है और इसमें मां का उसके बच्चों के साथ रिश्ता भी शामिल है। वास्तव में सूचना तकनीक ने बच्चों और मां के रिश्तों में अभूतपूर्व बदलाव ला दिया है। आज बच्चे देश-विदेश में कहीं हों, जब उन्हें मां की याद आती है, झट वीडियो कॉल लगा देते हैं और सामने मां दिखने लगती है। मां को सामने देखते हुए बात करने पर लगता है कि जैसे कोई दूरी ही न हो। बच्चों को यह एहसास होता है कि जैसे मां उनके बिल्कुल करीब बैठी, उनसे बतिया रही है। उसके चेहरे की हर भाव-भंगिमा को पढ़ने की सुविधा भी नई तकनीक ने उपलब्ध करवा दी है। आज शहर के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में रहने वाली मांएं अपने बच्चों के साथ सहजता से स्मार्ट फोन चलाती हैं। अपने बच्चों को तरह-तरह के व्हाट्सएप मैसेज भेजती हैं। वीडियो कॉल करके उनके हालचाल पूछना, यह जानना कि खाना खाया कि नहीं, खाना खाया तो क्या खाया? और इस सबको सिर्फ सुनने में ही नहीं अपनी आंखों से भी देखने का सुख मांएं आधुनिक मीडिया तकनीक के जरिए ले रही हैं।

सुकून देता है यह बदलाव: आज के दौर की मांओं का अपने बच्चों के साथ डिजिटल रिश्ता बड़ा दिलचस्प हो गया है। वे इसके जरिए न सिर्फ बच्चों के साथ संपर्क में रहती हैं बल्कि आधुनिक जीवन की सारी जरूरी गतिविधियों को भी सीखती हैं या सीखने की कोशिश करती हैं। मैसेजिंग, इमोजी आदि अभिव्यक्ति के इन नए तरीकों से मांएं भी समृद्ध हो रही हैं और इनके बच्चे भी। जब मांएं और बच्चे एक-दूसरे से ऑडियो कॉल पर बात करते हैं, उस समय मां का 'मैं ठीक हूं' कहना और वीडियो कॉल पर 'हां, मैं ठीक हूं' कहने में फर्क होता ही नहीं दिखता भी है। वीडियो कॉल में साफ दिखता है कि मां वाकई ठीक है या नहीं। यह तकनीकी बदलाव सुकून देता है, क्योंकि भले मां और उसके बच्चे के बीच दूरी हो, लेकिन भावनाओं का जुड़ाव इस दूरी के बाद भी डिजिटल तकनीक के जरिए बना रहता है।

ऐसे में बच्चों का भी फर्ज बनता है कि जब वे मां से बात करें तो सिर्फ उसमें शब्द ही न हों या सिर्फ संदेश ही न भेजे जाएं बल्कि मां से बात करने के जरिए अपनी उपस्थिति को भी व्यक्त करें। उन्हें बिना किसी कारण और बिना किसी अनुमान के फोन करें और देर तक बातें करें। इससे मां को बहुत खुशी मिलेगी।

मेल-मिलाप भी है जरूरी: अगर मां आधुनिक डिजिटल तकनीक से पूरी तरह अनभिज्ञ हो, तो कई बार उनके लिए यह बदलाव जटिल हो जाता है। उन्हें व्हाट्सएप्प यूज करना या वीडियो कॉल करना उलझन भरा लग सकता है। इन तकनीकों का उपयोग आज भले ही आम हो गया है, लेकिन मां की भावनाएं अब भी पारंपरिक हैं। देखा जाए तो तकनीक ने संवाद को चाहे जितना आसान बनाया हो, लेकिन संवाद की गइराई को कम कर दिया है। मांएं अपने बच्चों के साथ गहरा भावनात्मक जुड़ाव चाहती हैं। मां-बच्चे का भले ही लगातार फोन से संपर्क बना रहे। इस फोन से रिश्तों का कारवां भले ठीकठाक चलता दिखे, लेकिन मां-बच्चे के इस रिश्ते में वास्तविक मेल-मिलाप बहुत जरूरी होती है। तकनीक चाहे जितनी जीवंत लगे, मां के साथ साल में कुछ दिन जरूर गुजारें। इससे इस डिजिटल दौर में मां और आपके बीच रिश्तों की ऊर्जा जीवंत बनी रहेगी। यानी तकनीक का उपयोग करने पर भौतिक संपर्क की महत्ता को अनावश्यक मानना गलत है। इसलिए जब आप वास्तव में अपनी जॉब या पढ़ाई की वजह से दूर हों तब तो तकनीक का यूज ठीक है लेकिन मौका मिलने पर मां से जरूर मिलें।*

तकनीक से मिलता है मां को सुकून

- विभिन्न सर्वेक्षणों के दौरान यह देखा गया है कि 99 फीसदी मांएं घर से बाहर रह रहे अपने बच्चों से हर दिन बातें करती हैं। इनमें से करीब आधी तो हर दिन एक बार वीडियो कॉल भी करती हैं।
- जब मांएं डिजिटल तकनीक के जरिए बच्चों से वीडियो कॉल के जरिए बात करती हैं, तो वह सिर्फ उनका चेहरा भर नहीं देखतीं, उनकी खुशी, उनका दुःख, उनकी सेहत सब कुछ वो देख लेती हैं, इससे उन्हें सुकून और तसल्ली मिलती है।

मातृ दिवस विशेष

सिने ट्रेंड

हर्ष

हिंदी फिल्मों और फिल्मी गीतों में मां के महत्व को खूबसूरती और प्रमुखता से उभारा जाता रहा है। खासतौर पर फिल्मों में मां पर केंद्रित कई ऐसे हृदयस्पर्शी गीत रचे गए हैं, जो सीधे दिल में उतरते हैं। मां पर केंद्रित दिल को छू लेने वाले ऐसे ही कुछ फिल्मी गीतों पर एक नजर।

मां को समर्पित गीतों से गुलजार है बॉलीवुड

मां और बच्चे का संबंध बीज और वृक्ष के संबंध जैसा गहरा, विस्तृत और अविवेचनीय होता है। इसलिए मां और बच्चे के बीच अनोखे रिश्ते को शब्दों में व्यक्त कर पाना आसान नहीं है। फिर भी बॉलीवुड फिल्मों में अनेक गीतकारों ने समय-समय पर इस अनोखे प्यारे रिश्ते को अपने भावपूर्ण गीतों में व्यक्त किया है।

तुझे सब है पता, है न मां: प्रसून जोशी का लिखा और शंकर महादेवन का गाया गाना *'तुझे सब है पता, है न मां..'* फिल्म 'तारे जमीन पर' का है। यह गीत हर किसी के दिल को छूता है। जैसे यह गीत न हो हर बच्चे के दिल से निकली आवाज हो। हम सब ऐसे ही तो होते हैं बचपन में, जो बात अपनी मां से किसी कारणवश नहीं कह पाते उस बात को भी हमारी मां जान लेती है। भूख लगने पर हमें क्या खाना है, यह हमसे बेहतर हमारी मां को पता होता है। हमारी खुशी-गम, डर-चिंता, पसंद-नापसंद सब से वाकिफ होती है हमारी मां। *'मैं तुझे बतलाता नहीं, पर अंधेरे से डरता हूं मैं मां/तुझे सब है पता, है न मां'* एक बच्चे की मासूम पुकार है यह गीत, जो हर मां की रूह तक पहुंचता है।

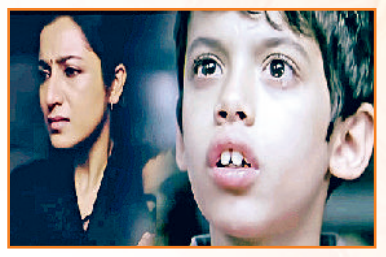

फिल्म 'तारे जमीं पर'

फिल्म 'रंग दे बसंती'

तू कितनी अच्छी है, तू कितनी भोली है: 'राजा और रंक' फिल्म का यह गीत *'तू कितनी अच्छी है, तू कितनी भोली है..'* अभिनेत्री निरूपा राय और बाल कलाकार महेश कोठारे पर फिल्माया गया है। लता मंगेशकर की मनमोहक आवाज ने गाने के बोल में मां के लिए प्रयोग किए गए प्रतीकों और शब्दों को और भी मुलायम और हृदयस्पर्शी बना दिया है। मां असल में क्या होती है, उसकी विशाल हृदयता और उसकी ममता की उदात्तता को इस छोटे से गीत में समेट कर गागर में सागर भर दिया गया है। आनंद बख्शी के लिखे इस गीत को संगीतबद्ध किया है संगीतकार जोड़ी लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल ने।

फिल्म 'राजा और रंक'

तेरी उंगली पकड़ के चला, ममता के आंचल में पला: 'लाडला' फिल्म का गीत *'तेरी उंगली पकड़ के चला, ममता के आंचल में पला..'* एक बेटे की भावुक स्वीकारोक्ति है। वह स्वीकार करता है कि जीवन पथ पर उसकी मां ने उसे चलना सिखाया। जीवन के इस सफर में मिलने वाली धूप से बचाने के लिए हर वक्त मां ने उसे अपनी ममता की छांव तले सहेज कर रखा। मां के बिना उसका जीवन कुछ भी नहीं। मां और उसके बेटे के बीच मधुर रिश्ते की चाशनी में

फिल्म 'लाडला'

छनकर निकला यह गीत जितना अर्थपूर्ण है उतना सुरीला भी। यह गीत फरीदा जलाल और अनिल कपूर पर फिल्माया गया है। समीर के लिखे इस गीत को उदित नारायण और ज्योत्सना ने अपनी आवाज दी है।

लुका छुपी बहुत हुई, सामने आ जा ना: फिल्म 'रंग दे बसंती' में प्रसून जोशी का लिखा गीत, *'लुका छुपी बहुत हुई, सामने आ जा ना..'* बेटे की मौत पर एक मां की व्याकुलता और ममता को एक साथ जोड़ने का कमाल करता है। गीत में मां अपने बेटे से संवाद करते हुए कहती है, *'लुका छुपी बहुत हुई/सामने आ जा ना/कहां-कहां ढूंढा तुझे/थक गई है तेरी मां'*।

गीत के दृश्य में बेटे की चिता सामने जल रही है और मां इस सदमे से अपनी सुध-बुध खो बैठती है। उसके कलपते हृदय से बोल निकल रहे हैं- *'आजा सांझ हुई मुझे तेरी फिकर/धुंधला गई देख मेरी नजर आ जा ना।'* आंखों को नम कर देने वाले इस भाव पूर्ण गीत को गाया है स्वर सम्राज्ञी लता मंगेशकर और एआर रहमान ने।

मां जैसी दुनिया में है कोई कहां: गीतकार अंजान का लिखा और किशोर कुमार का गाया लोकप्रिय गीत *'मां जैसी दुनिया में है कोई कहां..'* फिल्म 'पांच कैदी' का है। इस गीत के जरिए यह भाव प्रकट किया गया है कि मां जैसा दुनिया में कोई नहीं हो सकता। इसीलिए मां को धरती पर साक्षात ईश्वर का स्वरूप माना जाता है। इसीलिए तो मां का स्थान सबसे ऊपर माना जाता है। इन सभी भावों को इस गीत की आगे की पंक्तियों में बड़ी ही खूबसूरती से पिरोया गया है, *'मां तो है मां/मां तो है मां/मां जैसी दुनिया में है कोई कहां/ओ मां ओ मां//मां तू ही मंदिर/मां तू ही पूजा/पूजा का वरदान मां/ये लोक तू है/परलोक तू है/तुझमें है दोनों जहां।'*

फिल्म ' पांच कैदी'

ऐ मां, तेरी सूरत से अलग भगवान की सूरत क्या होगी: मां को भगवान के समतुल्य मानने वाले भावों को वर्ष 1966 में प्रदर्शित हुई फिल्म 'दादी मां' के एक गीत में भी व्यक्त किया गया है। उस गीत के बोल हैं *'ऐ मां, तेरी सूरत से अलग भगवान की सूरत क्या होगी। उसको नहीं देखा हमने कभी पर इसकी जरूरत क्या होगी..'* मजरूह सुल्तानपुरी के इस भावपूर्ण गीत को संगीत से संवारा था रोशन ने और अपनी आवाज दी थी, महेंद्र कपूर और मन्नाडे ने।*